रांची, शनिवार, 28 नवंबर 2026
संवत 2083, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 4 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-10, अंक 81 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक



4 ▸▸ पंजाब : पर्दे के पीछे ऐसे बुनी गई छह साल बाद वापसी की पटकथा

झाड़ू लगाने की एटिंग करते-करते रो पड़ी थीं दीपिका ◂◂ 6

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस परवाड़ा समापन

एवं सरकार के द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह

28 नवम्बर, 2026 | अपराह्न 12:30 बजे | खेलगांव, रांची

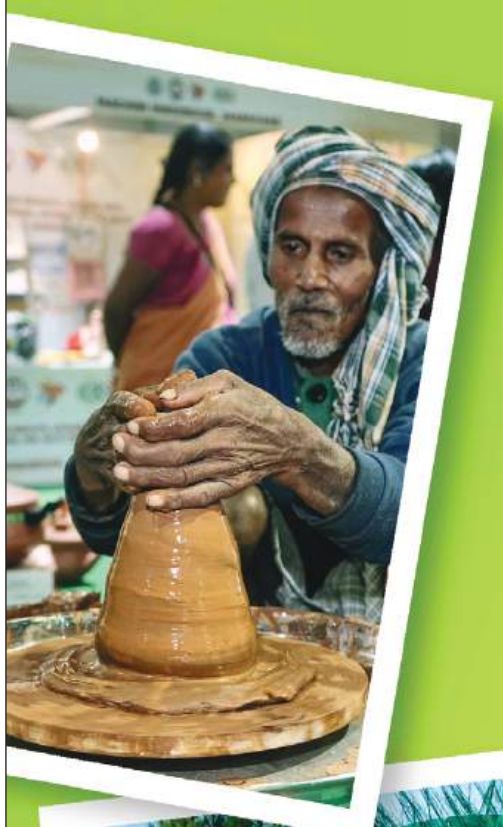

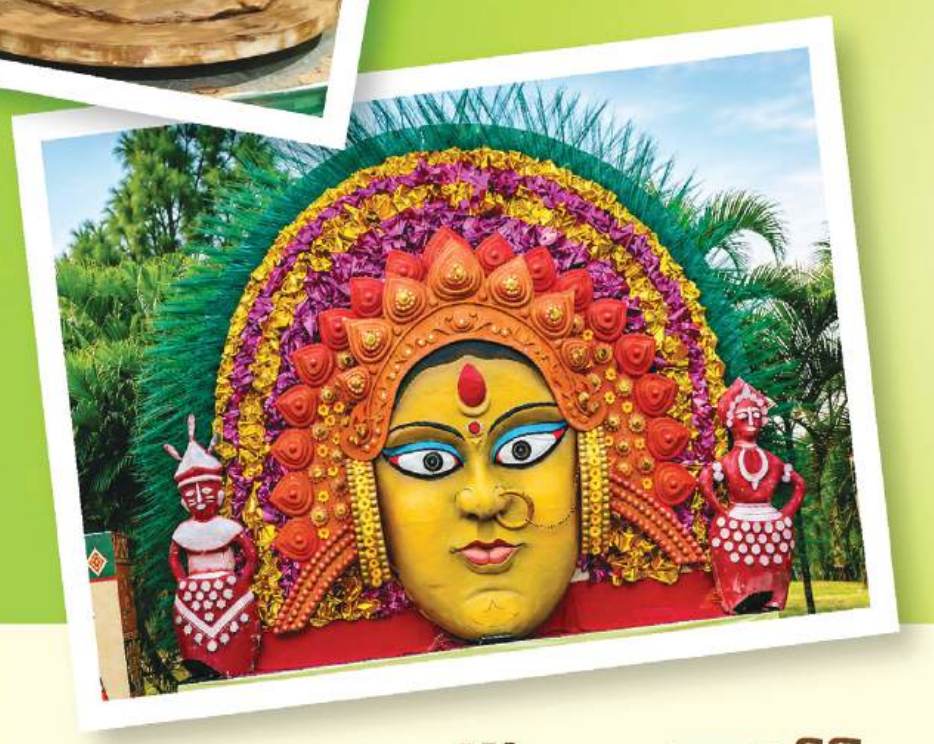

स्थापना दिवस परवाड़ा
15 से 28 नवम्बर, 2026





मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री संजय सेठ
माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री

श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्री संजय प्रसाद यादव
माननीय मंत्री, झारखण्ड

श्रीमती महुआ माजी
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री आदित्य प्रसाद साहु
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री प्रदीप कुमार वर्मा
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री परिमल नाथवानी
माननीय संसद सदस्य, राज्य सभा

श्री राजेश कच्छप
माननीय सदस्य, झारखण्ड विधान सभा

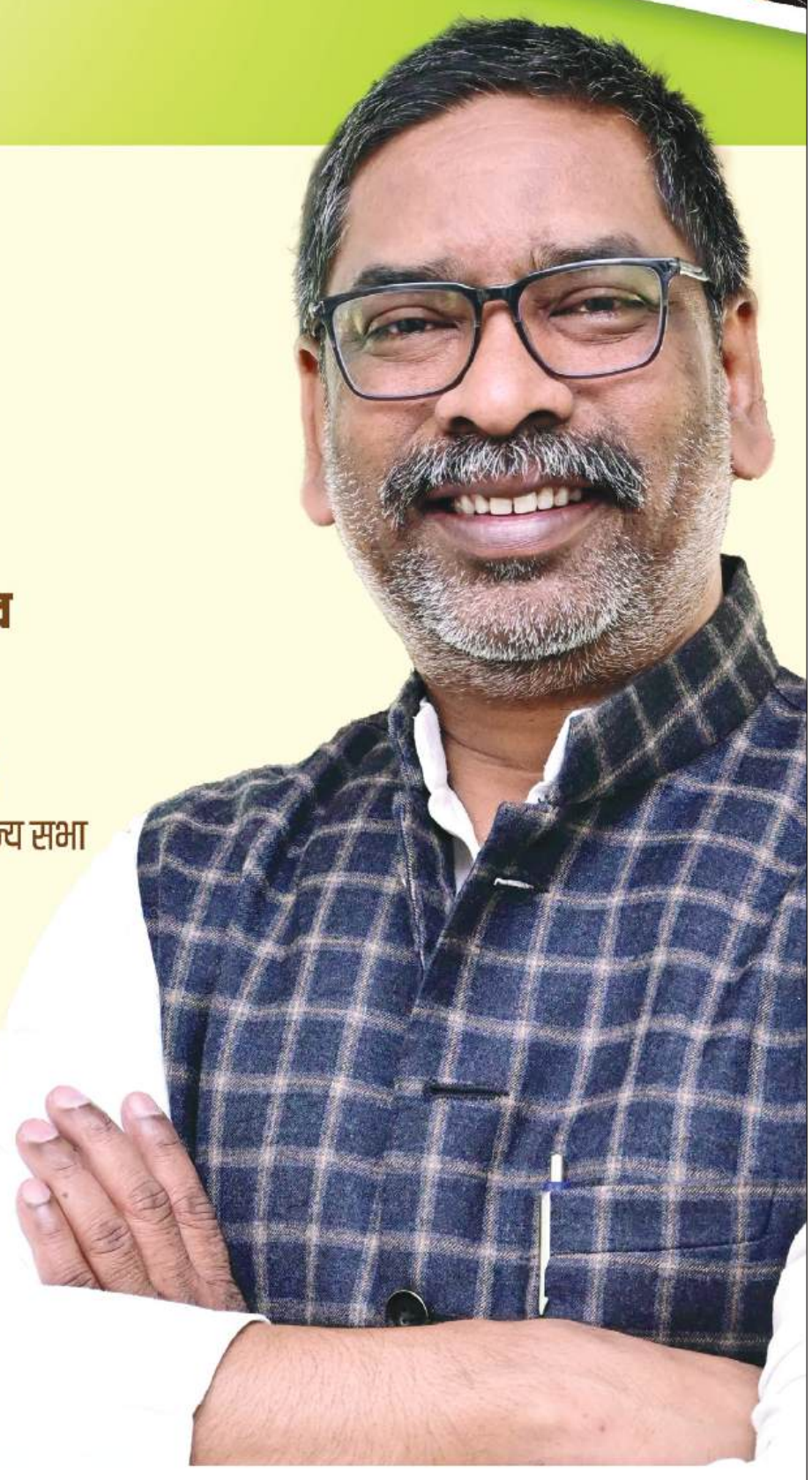

आयोजित समारोह में
आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड

394753 (IPRD)26-27

स्थापना दिवस पर झारखंड को 9097 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे सीएम

मेट्रो रेज

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को रांची के खेलगांव में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहुंचे। कार्यक्रम में विधायक कल्पना सोरेन समेत राज्य सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री राज्य को 9097.59 करोड़ रुपये की कुल 1643 विकास योजनाओं की सौगात देंगे। इनमें 823 योजनाओं का शिलान्यास और 820 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी विभागवार विवरण के अनुसार, इन योजनाओं के माध्यम से राज्य में आधारभूत संरचना, सड़क, शहरी विकास, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास को गति देने का लक्ष्य रखा गया है।



5941.86 करोड़ की योजनाओं का होगा शिलान्यास : कुल 823 योजनाओं के शिलान्यास पर 5941.86 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें पथ निर्माण विभाग की 62 योजनाएं प्रमुख हैं। इनकी कुल लागत 3034.88 करोड़ रुपये है। इनमें रांची के करमटोली से साइंस सिटी तक फ्लाईओवर, हरमू से डिबडीह पुल तक अरगोड़ा चौक एलिवेटेड रोड एवं फ्लाईओवर तथा विवेकानंद स्कूल मोड़ से हाईकोर्ट और विधानसभा होते हुए रिंग रोड तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य शामिल है। शहरी विकास एवं आवास विभाग की 24 योजनाओं पर 730.53 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इनमें धनबाद की टॉपचांची झील का विकास, जमशेदपुर में आईएसबीटी एवं कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और साहिबगंज की बरहरवा शहरी जलापूर्ति योजना शामिल हैं।

ग्रामीण कार्य विभाग की 148 योजनाओं पर 695.12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, कल्याण विभाग की 354 योजनाओं के लिए 383.15 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इनमें 634 कब्रिस्तानों की घेराबंदी एवं सौंदर्यीकरण तथा खूंटी में बिरसा टूरिस्ट सर्किट का विकास प्रमुख है।

इसके अलावा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की छह योजनाओं पर 223.70 करोड़, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की 49 योजनाओं पर 143.10 करोड़, जल संसाधन विभाग की 22 योजनाओं पर 143.04 करोड़ तथा स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की 17 जिला पुस्तकालय योजनाओं पर 120.32 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता, लघु सिंचाई, स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यटन, श्रम एवं नियोजन, भवन निर्माण तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की योजनाएं भी शिलान्यास सूची में शामिल हैं।

3155.73 करोड़ की योजनाओं का होगा उद्घाटन : समारोह के दौरान 820 योजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। इन पर कुल 3155.73 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ग्रामीण कार्य विभाग की 227 योजनाओं पर 752.70 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इनमें मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क एवं पुल परियोजनाएं शामिल हैं।

पथ निर्माण विभाग की 39 योजनाओं की लागत 540.02 करोड़ रुपये है। वहीं, शहरी विकास एवं आवास विभाग की तीन प्रमुख योजनाओं पर 505.46 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इनमें रांची का रवींद्र भवन, ट्रांसपोर्ट नगर फेज-2 और बोकारो की चास शहरी जलापूर्ति योजना शामिल हैं।

रांची में बढ़ी कनकनी, न्यूनतम तापमान 9 डिग्री पर पहुंचा, लातेहार में सबसे सर्द रही रात

सुबह और रात के समय बढ़ी ठंड, कई जिलों में 8 से 12 डिग्री के बीच रहा न्यूनतम तापमान

संवाददाता

रांचीः झारखंड में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह और रात के समय ठंड का असर बढ़ गया है। राजधानी रांची में भी कनकनी बढ़ने लगी है। यहां न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। वहीं, राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय रांची में दृश्यता 1200 मीटर रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के कई जिलों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। गुमला में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री, खूंटी में 8.3 डिग्री, हजारीबाग में 8.9 डिग्री और सिमडेगा में 9.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, बोकारो में



न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री, जमशेदपुर में 14.4 डिग्री और देवघर में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हालांकि, दिन में धूप निकलने से लोगों को ठंड से कुछ राहत मिल रही है। राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा में 28.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री, डालटनगंज में 27.2 डिग्री और बोकारो थर्मल में 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम है। मौसम के इस बदलाव के कारण सुबह और रात में ठंड का एहसास बढ़ गया है, जबकि दिन में धूप के कारण तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो रही है।

स्थापना दिवस पर 43 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को मिला वीरता एवं सराहनीय सेवा पदक

सीएम हेमंत सोरेन ने खेलगांव में आयोजित समारोह में किया सम्मानित, आठ आईपीएस अधिकारी भी शामिल

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड राज्य स्थापना दिवस समारोह 2026 एवं वर्तमान सरकार के दूसरे कार्यकाल की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार, 28 नवंबर को रांची के खेलगांव में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य पुलिस के 43 अधिकारियों एवं कर्मियों को वीरता और सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में आठ आईपीएस अधिकारी भी शामिल हैं।

वीरता पदक से सम्मानित होने वालों में आईजी अभियान नरेंद्र कुमार सिंह और रांची के एसएसपी राकेश रंजन के नाम प्रमुख हैं। वहीं, सराहनीय सेवा पदक पाने वालों में आईपीएस असीम विक्रांत मिंज, अनीश गुप्ता, राजकुमार मेहता, दीपक कुमार शर्मा, दीपक कुमार पांडेय और मुकेश कुमार शामिल हैं।

वीरता पदक पाने वाले अधिकारी एवं कर्मीः वीरता पदक के लिए चयनित अधिकारियों एवं कर्मियों में आईपीएस नरेंद्र कुमार सिंह (तत्कालीन डीआईजी हजारीबाग एवं वर्तमान आईजी अभियान, झारखंड), आईपीएस राकेश रंजन (तत्कालीन एसपी



चतरा एवं वर्तमान एसएसपी रांची), डीएसपी प्रकाश सोय (तत्कालीन डीएसपी कोतवाली रांची एवं वर्तमान डीएसपी विधि व्यवस्था, धनबाद), डीएसपी नीरज कुमार (तत्कालीन डीएसपी एटीएस रांची एवं वर्तमान डीएसपी हटिया), सब इंस्पेक्टर राजीव कुमार, दिव्य प्रकाश, इंस्पेक्टर सनोज कुमार चौधरी, आरक्षी प्रकाश कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र लकड़ा, सोनू कुमार साहू, शंकर प्रसाद कुशवाहा, राजबल्लभ कुमार और शिवलाल गुप्ता शामिल हैं।

इन अधिकारियों एवं कर्मियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में रहते हुए उत्कृष्ट कार्य और साहस का परिचय दिया था।

सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित अधिकारीः सराहनीय सेवा पदक पाने वालों में आईपीएस असीम विक्रांत मिंज (आईजी, सीआईडी), डीआईजी अनीश गुप्ता (पूर्व डीआईजी रांची एवं वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर), आईपीएस राज कुमार मेहता (पूर्व डीएसपी जैप-7 एवं वर्तमान एसपी, एटीएस), आईपीएस दीपक कुमार शर्मा (पूर्व सीनियर डीएसपी, विशेष शाखा एवं वर्तमान एसपी अभियान, नक्सल, पुलिस मुख्यालय), आईपीएस मुकेश कुमार (पूर्व सीनियर डीएसपी मुख्यालय, बोकारो एवं वर्तमान एसपी गोड्डा), दीपक कुमार पांडेय (पूर्व सीनियर डीएसपी अभियान, लोहरदगा एवं वर्तमान एआईजी-सह-डीजी के विशेष सहायक, रांची) तथा प्राअनि (आशुलिपिक) मोहम्मद अरशद खां (रांची जिला) शामिल हैं।

समारोह में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य, कर्तव्यनिष्ठा और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान पुलिस बल के अन्य जवानों को भी बेहतर कार्य करने और जनसेवा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित करेगा।

बूटी मोड़ में चोरों का आतंक, एक महीने में 10 दुकानों में सेंधमारी

रांचीः राजधानी रांची के बूटी मोड़ इलाके में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। चोरों ने पिछले एक महीने के दौरान करीब 10 दुकानों को निशाना बनाया है। चोरी का तरीका भी लगभग एक जैसा है। चोर दुकानों की एस्बेस्टस शीट और टिन की छत तोड़कर अंदर घुसते हैं और कीमती सामान व नकदी लेकर फरार हो जाते हैं। ताजा घटना में महतो मार्केट की चार दुकानों में एक ही रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। दुकानदारों के मुताबिक, इन दुकानों से करीब डेढ़ लाख रुपये के सामान और नकदी की चोरी हुई है। लगातार हो रही घटनाओं से दुकानदारों में दहशत और आक्रोश है।

महतो मार्केट में एमएस म्यूजिक, एमएम मोबाइल, महतो होटल और तेज नारायण पान दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने पहले दुकानों की एस्बेस्टस और टिन की छत तोड़ी। इसके बाद फॉल सीलिंग काटकर अंदर प्रवेश किया और सामान समेटकर फरार हो गये।

किसानों की मांगों को लेकर भरनो प्रखंड कार्यालय के समक्ष महापड़ाव, राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मएसपी की कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और धान क्रय केंद्र खोलने समेत कई मांगें उठाईं



संवाददाता

मुरीः संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर झारखंड राज्य किसान सभा की गुमला जिला कमेटी के तत्वावधान में भरनो प्रखंड कार्यालय के समक्ष किसान महापड़ाव का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और गुमला उपायुक्त के नाम प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने, पंचायत स्तर पर धान क्रय केंद्र खोलने और घोषित एमएसपी 25 रुपये 50 पैसे प्रति किलो की दर से धान खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। किसानों ने एमएसपी से कम कीमत पर 17 से 19 रुपये प्रति किलो की दर से धान खरीद पर रोक लगाने तथा किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने की भी मांग उठाई।

इसके अलावा सभी किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ देने, जल-जंगल-जमीन और खनिज संपदा की रक्षा करने, सीएनटी एक्ट का पालन सुनिश्चित करने तथा जमीन के ऑनलाइन रिकॉर्ड में गड़बड़ी दूर करने की मांग की गई। वर्ष 1928 के सर्वे के अनुसार जमीन के ऑनलाइन रिकॉर्ड में सुधार, दाखिल-खारिज में भ्रष्टाचार पर रोक और डायर जतरा स्थल से जुड़े जमीन विवाद को समाप्त करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। किसान सभा ने रतिया उरांव एवं उनके साथियों पर दर्ज कथित फर्जी मुकदमे की न्यायिक जांच कराने, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा जरूरतमंदों को आवास, पेंशन, राशन, सिंचाई कूप, तालाब और किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने की मांग की। पारस डैम के दरवाजे की मरम्मत कराने और हाथियों के आतंक से किसानों को राहत दिलाने की मांग भी उठाई गई। इसके साथ ही महंगाई, बेरोजगारी, निजीकरण, पलायन और विस्थापन पर रोक लगाने, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते, बीज एवं बिजली विधेयक, खनिज विधेयक और चार श्रम संहिताओं को रद करने की मांग की गई। मनरेगा को बहाल कर 200 दिन काम और 600 रुपये दैनिक मजदूरी देने तथा सभी पात्र महिलाओं को मंईयां योजना का लाभ देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना।



नाम–अपशाना खातून, उम्र–22 वर्ष, उँचाई–5 फीट, रंग–साँवला, पहनावा–सलवार सूट के उपर काला रंग का बुर्का पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला अपशाना खातून, उम्र–22 वर्ष, पति–मिन्हाज अंसारी, ग्राम–नरकोपी, थाना–नरकोपी, जिला–राँची जो दिनांक–12.11.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में नरकोपी थाना सनहा सं0–13/2026, दिनांक–14.11.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, बेडो, राँची। – 9431728777
थाना प्रभारी, नरकोपी, राँची। – 9431706146
आवेदक मिन्हाज अंसारी। – 6207110978

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR.NO.394735 Police(26-27):D

रांची विश्वविद्यालय में नर्सिंग छात्रों का हंगामा तीन घंटे तक प्रशासनिक भवन का घेराव

शैक्षणिक सत्र में देरी और परीक्षा परिणाम लंबित रहने से नाराज विद्यार्थियों का प्रदर्शन, कुलपति ने दिया समाधान का लिखित आश्वासन



संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय में विलंबित शैक्षणिक सत्र, परीक्षा परिणामों के प्रकाशन में देरी और अन्य शैक्षणिक समस्याओं को लेकर शनिवार को सैकड़ों नर्सिंग छात्र-छात्राओं ने एनएसयूआई के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का घेराव किया। विद्यार्थियों ने करीब तीन घंटे तक प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के बाद कुलपति, परीक्षा नियंत्रक, कुलसचिव और अन्य अधिकारी छात्रों से वार्ता करने के लिए तैयार हुए।

वार्ता के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने लिखित सूचना जारी कर 30 नवंबर को नर्सिंग कॉलेज के साथ बैठक करने की सहमति जताई। इसके अलावा 2 दिसंबर को छात्र प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बैठक निर्धारित की गई। प्रशासन ने अगले दो सप्ताह के भीतर विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान पर निष्कर्ष निकालने का आश्वासन दिया। लिखित आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने अपना आंदोलन समाप्त किया।

इस मौके पर एनएसयूआई अध्यक्ष कैफ अली ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के लिए तीसरी बार कॉलेज में तालाबंदी करनी पड़ी है, लेकिन इसके बावजूद विश्वविद्यालय की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। कॉलेजों में समय पर परीक्षाएं आयोजित नहीं की जा रही हैं और परीक्षा परिणाम भी समय पर प्रकाशित नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र में लगातार हो रही देरी के कारण विद्यार्थियों को दूसरी प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने की पात्रता से वंचित होना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन में एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष बिनय उरांव, प्रदेश महासचिव पवन नाग, निष्चल सोय, प्रदेश प्रवक्ता तलहा अफरोज, प्रदेश सचिव इलियास अंसारी, फ्रैंकलिन बाखला और इमदाद अंसारी सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

अनगड़ा और राहे में ग्रामीण सड़कों का शिलान्यास आवागमन की परेशानी होगी दूर

हातमबेड़ा से कोयनारडीह तक 2.35 किलोमीटर सड़क का होगा निर्माण, ग्रामीणों की पुरानी मांग पूरी होने की जगी उम्मीद

संवाददाता

मुरीः मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत अनगड़ा और राहे प्रखंड में सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया गया। इस क्रम में सिल्ली विधायक अमित महतो की उपस्थिति में मो. विमला देवी ने अनगड़ा प्रखंड के हातमबेड़ा से कोयनारडीह तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। करीब 2.35 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

यह सड़क जोन्हा फॉल के पीछे स्थित ग्रामीण क्षेत्र से होकर गुजरती है। वर्तमान में रास्ते की स्थिति काफी जर्जर और ऊबड़-खाबड़ है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में काफी परेशानी होती है। स्थानीय लोग लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे थे।

ग्रामीणों ने बताया कि



विधायक अमित महतो के प्रयास और राज्य सरकार की पहल से सड़क निर्माण का रास्ता साफ हुआ है। इससे क्षेत्र के लोगों में खुशी है। सड़क बनने से ग्रामीणों को आवागमन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में भी सहूलियत होगी।

शिलान्यास के दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष वन विभाग की ओर से कराए जा रहे अन्य निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मुद्दा भी उठाया। ग्रामीणों ने कार्यों में पारदर्शिता और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने सड़क निर्माण की लागत और अन्य तकनीकी जानकारियां सार्वजनिक करने की भी अपेक्षा जताई।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना



नाम–अपना कुमारी, उम्र–20 वर्ष, उँचाई–5 फीट, रंग–साँवला, पहनावा–पीला रंग की साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला अपना कुमारी, उम्र–20 वर्ष, पति–मृत्युंजय दास गोस्वामी, ग्राम–तुरूप, थाना–अनगड़ा, जिला–राँची जो दिनांक–02.11.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में अनगड़ा थाना सनहा सं0–16/2026, दिनांक–05.11.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, राँची। –9431102090
थाना प्रभारी, अनगड़, राँची। –9431770066
आवेदक मृत्युंजय दास गोस्वामी। –9431706180

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 394727 Police(26-27).D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, शनिवार, 28 नवंबर 2026

संवत 2083, मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 4 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 81 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ पंजाब : पर्दे के पीछे ऐसे बुनी गई छह साल बाद वापसी की पटकथा

झाड़ू लगाने की एटिंग करते-करते रो पड़ी थीं दीपिका ◂◂ 6

हाइवा और ऑटो की भीषण टक्कर, दो की मौत, एक गंभीर



मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर रायडीह मोड़ के समीप हुआ, जहां तेज टक्कर के कारण हाइवा और ऑटो की भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो पर सवार लोग कहीं जा रहे थे। इसी दौरान रायडीह मोड़ के पास हाइवा और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों की पहचान रामगढ़ निवासी अकबर अली और डोमचांच निवासी जीवन मेहता के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के भादोडीह निवासी मो. सलीम के रूप में की गई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद इलाके में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में इस तरह की दुर्घटनाएं चिंता का विषय हैं।

हादसे में दो लोगों की मौत से उनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। फिलहाल, दुर्घटना के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तमाड़ में एनसीबी और रांची पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

ओडिशा से लाई जा रही 200 किलो गांजे की खेप जब्त

संवाददाता

रांची: झारखंड में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और रांची पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। शनिवार देर रात तमाड़ थाना क्षेत्र में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस और एनसीबी की टीम ने करीब 200 किलोग्राम गांजा जब्त किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गांजे की यह खेप ओडिशा से झारखंड लाई जा रही थी।



जानकारी के मुताबिक, एनसीबी और रांची पुलिस को गांजे की तस्करी से संबंधित सूचना मिली थी। इसके आधार पर दोनों एजेंसियों की संयुक्त टीम ने तमाड़ थाना क्षेत्र में कार्रवाई की। इसी दौरान ओडिशा से आ रही गांजे की खेप को पकड़ लिया गया। टीम ने मौके से करीब 200 किलो गांजा बरामद किया।

इस कार्रवाई को झारखंड में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ओडिशा से झारखंड तक गांजे की खेप पहुंचने के मामले ने तस्करी के नेटवर्क को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, गांजा किस वाहन से लाया जा रहा था, इस मामले में कितने लोग शामिल थे और तस्करी के पीछे कौन सा गिरोह सक्रिय है, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल, मामले में आगे की जांच और कार्रवाई की जानकारी का इंतजार है। जांच के दौरान गांजे की खेप के स्रोत, इसके संभावित खरीदारों और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा सकती है।

आतंकी हमले की बड़ी साजिश नाकाम, शोपियां में लश्कर के 3 मददगार गिरफ्तार, हथियार बरामद



शोपियां : जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकी हमले की एक बड़ी साजिश को नाकाम करते हुए लश्कर-ए-तैयबा के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और आतंकी संगठन से जुड़ी प्रचार सामग्री बरामद की गई है। आशंका जताई जा रही है कि बरामद हथियारों और अन्य सामान का इस्तेमाल किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए किया जाना था।

अधिकारियों के मुताबिक, शोपियां पुलिस और सेना की 34 राष्ट्रीय राइफल्स ने नरवाव और रावलपोरा इलाकों में संयुक्त रूप से घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया था। इसी दौरान तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उनके लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े होने का खुलासा हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवेंद निवासी अबरार अहमद मीर, दचीपोरा निवासी रसिक अहमद भट और सुहेल अहमद लोन के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने तलाशी के दौरान उनके पास से दो हैंड ग्रेनेड, एके-47 राइफल के 20 कारतूस, लश्कर-ए-तैयबा के पांच पोस्टर, तीन मोबाइल फोन और तीन आधार कार्ड बरामद किए हैं। जब्त सामग्री को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

अधिकारियों का कहना है कि तीनों की गिरफ्तारी से सक्रिय आतंकियों तक हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने की कोशिश को बड़ा झटका लगा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में कौन-कौन लोग थे और इस नेटवर्क से कितने अन्य लोग जुड़े हुए हैं। इस संबंध में संबंधित थाने में भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 7 और 25 तथा गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13, 18, 23 और 39 के तहत एफआईआर नंबर 250/2026 दर्ज की गई है।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि आतंकी संगठनों के मददगारों पर कार्रवाई करना उनके नेटवर्क को कमजोर करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। स्थानीय स्तर पर सक्रिय ऐसे लोग आतंकियों को हथियार, रसद और अन्य जरूरी सहायता पहुंचाने में भूमिका निभाते हैं। सुरक्षाबलों ने पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए जांच तेज कर दी है।

अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिरी टाटा सूमो, एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत



श्रीनगर: उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के उरी इलाके में नियंत्रण रेखा के पास गोहल्लन में शुक्रवार देर रात एक टाटा सूमो गाड़ी गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक लड़की घायल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गाड़ी सड़क से फिसलकर एक गहरी खाई में जा गिरी, जिससे उसमें सवार सभी पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद सभी पांच लोगों को पास के एक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि नाबालिग लड़की को बेहतर इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, बारामूला रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान सैयद शफीक शाह (26), उनकी पत्नी रशीदा बानो (25), दिलनाज फातिमा (17) और शाहिद फातिमा (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिसीमन और महिला आरक्षण पर झामुमो की अहम बैठक आज, सांसदों के साथ मंथन करेंगे मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांची: परिसीमन और महिला आरक्षण के मुद्दे पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अपनी रणनीति को लेकर गंभीर मंथन करने जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को पार्टी के लोकसभा और राज्यसभा सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक मुख्यमंत्री आवास पर होगी, जिसमें झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के भी शामिल होने की जानकारी दी गई है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने इसकी पुष्टि की है।

बैठक में परिसीमन के संभावित प्रभावों पर विशेष रूप से चर्चा होगी। झारखंड की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए परिसीमन से राज्य की राजनीतिक हिस्सेदारी, खासकर आदिवासी समुदाय के प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाले प्रभावों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव और उससे संबंधित विभिन्न पहलुओं पर भी सांसदों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।



आदिवासी-मूलवासी समुदाय के राजनीतिक हितों पर पड़ने वाले प्रभावों की होगी समीक्षा, पार्टी ने दोहराया अपना रुख-हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

आदिवासी हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं : विनोद पांडेय

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने स्पष्ट किया कि पार्टी परिसीमन को लेकर पहले ही अपना रुख जाहिर कर चुकी है। उन्होंने कहा कि झारखंड के आदिवासी समुदाय के राजनीतिक और सामाजिक हितों के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि परिसीमन की प्रक्रिया से आदिवासी समाज के हित प्रभावित होते हैं या उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नुकसान पहुंचता है, तो झामुमो इसका विरोध करेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में इन सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही सांसदों से सुझाव लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी, ताकि राज्य के हितों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया जा सके।

अपने पुराने रुख पर कायम है झामुमोः गौरतलब है कि शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से परिसीमन और लोकसभा-विधानसभाओं में महिला आरक्षण से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद झामुमो ने एक बार फिर अपना पुराना रुख दोहराया था। पार्टी के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा था कि झारखंड का गठन यहां के आदिवासी-मूलवासी समुदाय के हितों और अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि यदि परिसीमन की प्रक्रिया से राज्य के आदिवासी-मूलवासी समुदाय के राजनीतिक, सामाजिक और संवैधानिक हित प्रभावित होते हैं, तो झारखंड मुक्ति मोर्चा इसका जोरदार विरोध करेगा। ऐसे में शनिवार को होने वाली यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें परिसीमन के मुद्दे पर पार्टी की भावी रणनीति और केंद्र सरकार के प्रस्तावों को लेकर झामुमो का अगला कदम तय होने की संभावना है।

जांच में शामिल होने से इनकार पड़ा भारी, रेलवे के तीन असिस्टेंट लोको पायलटों की याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने विभागीय कार्रवाई को ठहराया सही, कहा- जांच में जानबूझकर शामिल नहीं होने वाले कर्मचारी बाद में प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का दावा नहीं कर सकते



रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने रेलवे के तीन असिस्टेंट लोको पायलटों के खिलाफ की गई विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई को सही ठहराते हुए उनकी रिट याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि कोई कर्मचारी जानबूझकर विभागीय जांच में शामिल होने से इनकार करता है, तो वह बाद में सुनवाई का अवसर नहीं दिए जाने या प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के उल्लंघन का दावा नहीं कर सकता। हाईकोर्ट के इस फैसले से रेलवे प्रशासन की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई को न्यायिक मंजूरी मिल गई है।

2013 में प्रदर्शन के दौरान हुआ था विवादः मामला धनबाद रेल मंडल से जुड़ा है। 21 दिसंबर 2013 को ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के प्रदर्शन के दौरान चीफ ट्रैक्शन फोरमैन (सीटीएफ) के कार्यालय के बाहर विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। इस घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

इसके बाद रेलवे प्रशासन ने असिस्टेंट लोको पायलट अभिषेक कुमार, रवि रंजन और रंजीत कुमार चौधरी को निलंबित कर उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक जांच शुरू की। जांच अधिकारी ने तीनों कर्मचारियों को अपना पक्ष रखने और जांच में शामिल होने के लिए तीन बार अवसर दिया। इसके बावजूद तीनों ने लिखित रूप से जांच में शामिल होने से इनकार कर दिया।

एकतरफा जांच के बाद हुई थी बर्खास्तगीः कर्मचारियों के जांच में शामिल नहीं होने के कारण विभागीय जांच एकतरफा पूरी की गई। इसके बाद 10 मार्च 2014 को रेलवे प्रशासन ने तीनों कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया। इस फैसले के खिलाफ कर्मचारियों ने अपील दायर की थी। अपील पर सुनवाई करते हुए अपीलीय प्राधिकारी ने 22 अप्रैल 2014 को बर्खास्तगी की सजा में नरमी बरती और तीनों की नौकरी बहाल करने का आदेश दिया। हालांकि, उन्हें दंडस्वरूप तीन साल तक संचयी प्रभाव (क्यूमुलेटिव इफेक्ट) के साथ शुरूआती वेतनमान और ग्रेड पर रखने का निर्देश दिया गया। यानी उनकी सेवा बहाल तो कर दी गई, लेकिन वेतन और ग्रेड से संबंधित दंड बरकरार रखा गया।

कैट से लेकर हाईकोर्ट तक पहुंचे कर्मचारीः अपीलीय प्राधिकारी के संशोधित दंड से असंतुष्ट तीनों कर्मचारियों ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट), पटना बेंच का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद मामले की सुनवाई कैट की रांची सर्किट बेंच में भी हुई।

बिहार में हाथी दांत के बड़े गिरोह का भंडाफोड़, 19 किलो के 4 बेशकीमती दांतों के साथ चार गिरफ्तार

बेतिया : बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। राजस्व खुफिया निदेशालय यानी डीआरआई और शिकारपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने नरकटियागंज स्थित जयमंगलापुर गांव में एक पेट्रोल पंप के समीप अचानक छापेमारी कर हाथी के चार बेशकीमती दांत बरामद किए हैं। जब्त किए गए चारों दांतों का कुल वजन 19 किलो 390 ग्राम बताया जा रहा है। इस त्वरित कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद चार तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनके तार बिहार के तीन अलग-अलग जिलों से जुड़े हुए पाए गए हैं। गुप्त सूचना पर बिछाया जाल,



पटना से लेकर भोजपुर और चंपारण तक जुड़े हैं आरोपियों के तारः मिली जानकारी के अनुसार, डीआरआई को इलाके में हाथी दांत की अवैध तस्करी होने की पुख्ता गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी। इस सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने शिकारपुर पुलिस से संपर्क साधा और दोनों एजेंसियों ने मिलकर एक सटीक रणनीति के तहत जयमंगलापुर गांव के पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर छापा मारा। तलाशी के दौरान टीम के हाथ 19.39 किलोग्राम वजन के चार हाथी दांत लगे, जिसके बाद मौके से ही चारों आरोपियों को दबोच लिया गया। रामनगर रेंजर विजय कुमार ने गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की पहचान की पुष्टि की है। इनमें पहला आरोपी संतोष पांडेय है, जो पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र का निवासी है। दूसरा आरोपी रामेश्वर मिश्र भोजपुर जिले के कोईलवर का रहने वाला है, जबकि तीसरे और चौथे आरोपी ब्रह्मदेव प्रसाद तथा नरेश कुमार पश्चिम चंपारण जिले के नरकटियागंज स्थित जयमंगलापुर गांव के ही निवासी हैं। सजावटी सामान के लालच में होता है बेजुबानों का शिकार, वन्यजीव कानून के तहत गंभीर अपराधः हाथी दांत या आइवरी का नाम सामने आते ही उससे बनने वाले महंगे सजावटी सामान, बारीक नक्काशी और कलाकृतियों की तस्वीर उभरती है। अवैध बाजार में इन्हीं सजावटी वस्तुओं की भारी मांग के कारण हाथियों का शिकार किया जाता है, जो वन्यजीवों के अस्तित्व के लिए एक बड़ा खतरा बन चुका है। चूंकि दांत हाथी के शरीर का अभिन्न हिस्सा होते हैं, इसलिए इन्हें हासिल करने के लिए तस्कर बेजुबान हाथियों को मौत के घाट उतार देते हैं। भारत में हाथियों को विशेष कानूनी संरक्षण प्राप्त है और उनका शिकार करना या उनके दांतों का अवैध कारोबार करना वन्यजीव संरक्षण से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर एवं दंडनीय अपराध है।

कहां से आए दांत और किसे होनी थी सप्लाई? नेटवर्क खंगालने में जुटी जांच एजेंसियां: भले ही जांच एजेंसियों ने चारों तस्करों को रंगे हाथों पकड़कर बड़ी बरामदगी कर ली है, लेकिन इन दांतों के पीछे छिपी पूरी कहानी अभी सामने आनी बाकी है। फिलहाल डीआरआई और पुलिस की टीमें गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि हाथी के ये चारों दांत आखिर कहां से लाए गए थे। एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि क्या इन दांतों का स्रोत पश्चिम चंपारण का ही कोई इलाका है या इन्हें किसी दूसरे स्थान से तस्करी कर यहां पहुंचाया गया था। इसके अलावा यह भी जांच की जा रही है कि इन दांतों का खरीदार कौन था, इन्हें आगे कहां सप्लाई किया जाना था और क्या इस अवैध सौदे के पीछे कोई बड़ा संगठित गिरोह काम कर रहा है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

राजस्थान: सत्ता में महिलाओं की भागीदारी के नए संकेत

राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव परिणामों को लेकर किसका पलड़ा भारी या कमजोर रहा या चुनाव परिणामों का राजस्थान की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा, यह राजनीति विज्ञों के बीच अलग विचार का मुद्दा हो सकता है पर राजस्थान से जिला प्रमुखों के चुनाव परिणाम से जिस तरह सत्ता में भागीदारी में सशक्तिकरण उभर का आया है वह एक सकारात्मक संकेत है। राजस्थान के नागौर से पंचायतीराज का बिगुल बजा था और आज जिला प्रमुखों के 70 फीसदी महिलाओं की हिस्सेदारी की नई बयार देखने को मिल रही है। सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर राजस्थान से सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। राजस्थान में जिला प्रमुखों के चुनाव परिणाम न केवल चौंकाने वाले हैं अपितु आने वाले समय में महिलाओं की सत्ता में भागीदारी बढ़ने की दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। राजस्थान में 37 जिला परिषदों के परिणामों में 26 जिला परिषदों में जिला प्रमुख के पद पर महिलाएं चुनी गई है। इसमें भी खास बात यह है कि सुदूर रेगिस्तानी जिले जैसलमेर से महज 21 साल और एक माह की आयु की संतोष कुमारी जिला प्रमुख चुनी गई है तो 21 वर्ष और 4 माह की वर्षा झाला झालावाड़ की जिला प्रमुख चुनी गई है। सबसे अच्छी बात यह है कि जिला प्रमुख बनने वाली महिलाओं में अधिकांश जहां युवा हैं तो दूसरी ओर अच्छी पढ़ी-लिखी महिलाएं जिला प्रमुख बनी है। देखा जाए तो महिलाओं में भी राजस्थान में शिक्षित और युवा महिला नेतृत्व उभर कर आया है। इसे भविष्य के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है। महिलाओं की सत्ता में भागीदारी से यह भी माना जा सकता है कि महिलाएं जमीनी हकीकत से अधिक जुड़ी होती है, ऐसे में पंचायतीराज संस्थाओं में स्थानीय स्तर की समस्याओं के समाधान में सार्थक और सकारात्मक परिणाम की आशा की जा सकती है। माना जा रहा है कि युवा और शिक्षित महिला नेतृत्व का फोकस शुद्ध पेयजल से लेकर बिजली, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, आंगनबाड़ी और स्थानीय स्तर की समस्याओं को समझने और उनके निराकरण में अधिक सकारात्मकता आएगी। माना जा रहा है कि भ्रष्टाचार पर भी एक हद तक रोक संभव हो पाएगी तो महिलाएं नए जोश और नई ऊर्जा से काम करते हुए परिणाम देने का प्रयास करेंगी। कुल मिलाकर कार्य व्यवस्था में बदलाव की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। महिलाओं की सत्ता में दमदार भागीदारी के बावजूद संभावना जताते हुए सवाल उठ रहे हैं कि जिस तरह पंचायतों में सरपंच पति, प्रधान पति या पंच पति का दौर चला था, क्या उसी तरह प्रमुख पति के रुप में राजनीतिक सक्रियता दिखेगी। सच्चे मायने में महिला जिला प्रमुख ही सत्ता की भागीदार बने और निर्णय जिला प्रमुख का ही रहे, जिला प्रमुख पति आदि का नहीं। कहने का अर्थ यह है कि महिलाओं को निर्णय क्षमता विकसित करनी होगी और प्रशासन में अपनी निर्णय क्षमता और कार्यशैली की छाप छोड़ने की चुनौती महिला जिला प्रमुखों के सामने होगी। राज्य सरकार को भी नई जिला प्रमुखों आदि के लिए ओरियंटेशन कार्यक्रम व्यापक व निरंतरता के साथ आयोजित करने होंगे ताकि महिलाओं की भागीदारी सच्चे मायने में उभरकर आ सके। सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक औसत 27.5 फीसदी है। 30 देशों में राष्ट्राध्यक्ष महिला है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है। पिछले चुनाव में सरकार बनाने में महिलाएं निर्णायक भूमिका में रही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 19 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणापत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है, वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रोचक बात यह है कि साल 2009 की 15वीं लोकसभा के पहले तक हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हालांकि साल 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपात्काल के बाद की स्थितियां थी। 18वी लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही।इन सब हालातों में राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं में जिला प्रमुख की जिम्मेदारी 70 फीसदी से अधिक महिलाओं और खासतौर से युवा और शिक्षित महिलाओं के हाथ में आई है तो इससे राजनीतिक परिदृश्य के लिए शुभ और सकारात्मक संदेश माना जाना चाहिए। इसके साथ ही महिला जिला प्रमुखों से भी यह अपेक्षा रहेगी वे स्वयं निर्णय लेने और विकास में भागीदार बनने का संदेश दें।

बैटरी कचरे से निकलेगा खनिजों का खजाना, ब्लैक मास के निर्यात पर भारत ने लगाई रोक

हालांकि, कच्चे ब्लैक मास का सीधे नई बैटरी बनाने में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कई चरणों में प्रसंस्करण कर अलग-अलग खनिज निकालने और उन्हें उच्च शुद्धता वाले यौगिकों में बदलने की जरूरत होती है। कैथोड सामग्री तैयार करने के लिए पीकैम (प्रिकर्सर कैथोड एक्टिव मटेरियल) यानी पूर्ववर्ती कैथोड सक्रिय सामग्री जैसे मध्यवर्ती पदार्थ भी उपयोगी होते हैं।

डॉ. वर प्रसाद राव

पीवीदुनिया तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रही है। मोबाइल फोन, लैपटॉप और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों में भी लिथियम-आयन बैटरियों की मांग लगातार बढ़ी है। इन बैटरियों की उपयोग अवधि पूरी होने के बाद उनका सुरक्षित निपटान और उनमें मौजूद मूल्यवान खनिजों की पुनर्प्राप्ति बड़ी चुनौती बन गई है। इसी बीच पुरानी बैटरियों से प्राप्त ह्यब्लैक मासह्ल महत्वपूर्ण औद्योगिक संसाधन के रूप में उभरा है।

आमतौर पर बैटरी कचरे को पर्यावरण के लिए नुकसानदेह माना जाता है लेकिन पुरानी लिथियम-आयन बैटरियों से प्राप्त ब्लैक मास में लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज जैसे मूल्यवान खनिज हो सकते हैं। इन पदार्थों का इस्तेमाल नई बैटरियों और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्माण में होता है। इसलिए ब्लैक मास को केवल कचरा नहीं बल्कि दोबारा उपयोग किए जा सकने वाले खनिज संसाधन के रूप में देखा जा रहा है।

इसी संसाधन को देश में सुरक्षित रखने और घरेलू पुनर्चक्रण उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 10 नवंबर 2026 को लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक मास के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। इससे देश में उपलब्ध बैटरी कचरे से मूल्यवान खनिजों की पुनर्प्राप्ति और घरेलू प्रसंस्करण को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। दक्षिण भारत के इलेक्ट्रिक वाहन उद्यमी और विशेषज्ञ कृष्ण आनंद कामत ने ब्लैक मास की उपयोगिता, इसके निर्माण और भारतीय उद्योग पर इसके संभावित प्रभावों की जानकारी साझा की है। क्या है ब्लैक मास?कृष्ण आनंद कामत के अनुसार, ब्लैक मास काले रंग का महीन पाउडर है, जो उपयोग अवधि पूरी कर चुकी लिथियम-आयन बैटरियों के पुनर्चक्रण के दौरान प्राप्त होता है। इसमें खनिजों की मात्रा बैटरी की रासायनिक संरचना पर निर्भर करती है। इसमें लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, मैंगनीज और ग्रेफाइट शामिल हो सकते हैं।

हालांकि, कच्चे ब्लैक मास का सीधे नई बैटरी बनाने में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। कई चरणों में प्रसंस्करण कर अलग-अलग खनिज निकालने और उन्हें उच्च शुद्धता वाले यौगिकों में बदलने की जरूरत होती है। कैथोड सामग्री तैयार करने के लिए पीकैम (प्रिकर्सर कैथोड एक्टिव मटेरियल) यानी पूर्ववर्ती कैथोड सक्रिय सामग्री जैसे मध्यवर्ती पदार्थ भी उपयोगी होते हैं।

अलग-अलग तकनीक से बनी बैटरियों में कोबाल्ट, निकेल और मैंगनीज की मात्रा अलग हो सकती है। कुछ बैटरी रसायनों में इन धातुओं की मौजूदगी सीमित होती है, जबकि अन्य में अधिक। इसलिए ब्लैक मास की गुणवत्ता और उससे प्राप्त खनिजों की मात्रा भी एक जैसी नहीं रहती। पुरानी बैटरियों से कैसे बनता है ब्लैक मास?उपयोग अवधि पूरी कर चुकी बैटरियों को एकत्र कर पुनर्चक्रण इकाइयों तक पहुंचाया जाता है। वहां बची विद्युत ऊर्जा और रासायनिक जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित प्रारंभिक प्रक्रिया अपनाई जाती है। यह जरूरी है, क्योंकि क्षतिग्रस्त या अनुचित तरीके से संभाली गई बैटरियों में आग और विस्फोट का खतरा रहता है। इसके बाद बाहरी आवरण, प्लास्टिक, तांबा और एल्युमीनियम जैसे हिस्से अलग किए जाते हैं। बैटरी के भीतर मौजूद इलेक्ट्रोड को विशेष तकनीक से पीसकर और छानकर अलग किया जाता है।

इसके बाद इसमें मौजूद खनिजों को अलग करने के लिए मुख्य रूप से दो तकनीकें अपनाई जाती हैं। पायरोमेटलर्जी में उच्च तापमान के जरिए धातुओं को अलग किया जाता है। हाइड्रोमेटलर्जी में रासायनिक घोलों की मदद से खनिजों को घोलकर अलग किया जाता है और फिर उनका शुद्धिकरण होता है। इन प्रक्रियाओं से पुरानी बैटरियों के खनिज दोबारा उपयोग योग्य बनाए जा सकते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता इस्तेमाल ब्लैक मास की मांग का प्रमुख कारण है। बैटरियों के निर्माण में लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की जरूरत होती है। इनके लिए कई देश खनन और आयात पर निर्भर हैं। प्राकृतिक भंडार सभी देशों में समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं और वैश्विक आपूर्ति कुछ चुनिंदा देशों में केंद्रित है। ऐसे में पुरानी बैटरियों से खनिजों की पुनर्प्राप्ति एक महत्वपूर्ण विकल्प बन रही है। इससे नए खनन पर दबाव कम करने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने का अवसर मिलता है।

केंद्र सरकार का उद्देश्य देश में उत्पन्न बैटरी कचरे में मौजूद मूल्यवान खनिजों को विदेश जाने से रोकना और घरेलू उद्योगों के लिए उपलब्ध कराना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 10 नवंबर 2026 को अधिसूचना जारी की। इसके तहत संबंधित आईटीसी (एचएस) कोड 85491400 के अंतर्गत आने वाले लिथियम-आयन बैटरी ब्लैक मास की निर्यात नीति ह्यमुक्तह्ल से बदलकर ह्यप्रतिबंधितह्ल श्रेणी में कर दी गई है। यानी अधिसूचना के दायरे में आने वाले ब्लैक मास का निर्यात प्रतिबंधित होगा। सरकार का उद्देश्य घरेलू प्रसंस्करण के लिए संसाधन सुरक्षित रखना और भारतीय उद्योगों को कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाना है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल और बैटरी उत्पादन बढ़ने के साथ पुनर्चक्रण उद्योग के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। निर्यात प्रतिबंध से घरेलू इकाइयों को स्थानीय स्तर पर उत्पन्न ब्लैक मास मिलने की संभावना बढ़ेगी और वे अपनी प्रसंस्करण क्षमता का बेहतर उपयोग कर सकेंगी। कंपनियां ब्लैक मास से लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे खनिज प्राप्त कर उनका शुद्धिकरण कर सकती हैं। इनकी आपूर्ति बैटरी निर्माताओं और अन्य औद्योगिक इकाइयों को की जा सकती है। इससे आधुनिक मशीनों, प्रसंस्करण तकनीक और पुनर्चक्रण संयंत्रों में निवेश को प्रोत्साहन मिल सकता है। संयंत्रों की स्थापना और क्षमता बढ़ने से रोजगार पैदा होने की संभावना है।

हालांकि, इसके लिए पर्याप्त बैटरी कचरे का संग्रहण, सुरक्षित परिवहन, आधुनिक संयंत्र और आर्थिक रूप से व्यवहार्य प्रसंस्करण व्यवस्था जरूरी होगी।

भारत के बैटरी उद्योग के सामने महत्वपूर्ण खनिजों के लिए विदेशी आपूर्ति पर निर्भरता बड़ी चुनौती है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों में इस्तेमाल होने वाले लिथियम, कोबाल्ट और निकेल के लिए देश काफी हद तक आयात पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव का असर घरेलू बैटरी उत्पादन की लागत पर पड़ता है।

ऐसी स्थिति में घरेलू बैटरी कचरे से खनिजों की पुनर्प्राप्ति एक अतिरिक्त स्रोत बन सकती है। यदि ब्लैक मास का पर्याप्त संग्रहण और प्रसंस्करण देश में होता है, तो पुनर्चक्रण इकाइयां घरेलू उद्योगों को जरूरी खनिज उपलब्ध करा सकेंगी। इससे आयात निर्भरता कुछ हद तक कम हो सकती है। हालांकि, देश की पूरी खनिज जरूरत पुरानी बैटरियों के पुनर्चक्रण से पूरी नहीं होगी। घरेलू खनन, विदेशी आपूर्ति और पुनर्चक्रण व्यवस्था के बीच तालमेल जरूरी है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल उत्पादन लागत में बैटरी की बड़ी हिस्सेदारी होती है। भारत में ब्लैक मास से खनिजों की पुनर्प्राप्ति और प्रसंस्करण की व्यवस्था मजबूत होने पर बैटरी निमार्ताओं को घरेलू स्तर पर कच्चा माल मिलने के अवसर बढ़ेंगे। इससे आयात लागत और आपूर्ति संबंधी अनिश्चितताओं को कम करने में मदद मिल सकती है। लंबी अवधि में पुनर्चक्रण उद्योग के विस्तार से बैटरी उत्पादन की लागत घटने की संभावना है। हालांकि, निर्यात प्रतिबंध से तत्काल इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें कम होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

पंजाब : पर्दे के पीछे ऐसे बुनी गई छह साल बाद वापसी की पटकथा

अकाली दल और भाजपा के बीच रिश्ते सितंबर 2020 में कृषि कानूनों के विरोध के कारण टूट गए थे। दोनों दलों के बीच करीब 24 वर्ष पुराना गठबंधन समाप्त हो गया था। इसके बाद 27 अप्रैल 2023 को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ। प्रकाश सिंह बादल के निधन पर तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने लांबी पहुंचे। यह केवल एक शोकसभा में उपस्थिति नहीं थी।

सुदेश गौड़

राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा भले ही मंच पर दो-चार बड़े नेता करते दिखाई दें लेकिन उसके पीछे कई ऐसे चेहरे होते हैं जो महीनों तक संवाद, गणित, सर्वेक्षण, असहमतियों और राजनीतिक संभावनाओं पर काम करते हैं। पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच छह साल बाद हुआ गठबंधन इसका दिलचस्प उदाहरण है। यहां हुए राजनीतिक पुनर्मिलन के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति, गुजरात से उनके पुराने सहयोगी सीआर पाटिल की चुनावी रणनीति, पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की शुरूआती पहल, पंजाब से मिले जमीनी फीडबैक और कुछ ऐसे नेताओं के प्रयास हैं जिन्होंने दोनों दलों के बीच भरोसे की जमीन तैयार की। इस गठबंधन की असली कहानी पर्दे के पीछे इन्हीं काम करने वाले नायकों की है।

इस पूरी कवायद के सबसे महत्वपूर्ण सूत्रधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहे। उन्होंने राजग के पुराने सहयोगियों को फिर साथ लाने की राजनीतिक जरूरत को समझा। हाल ही में राजग के सहयोगी दलों की एक बैठक में मोदी ने अकाली दल के दिवंगत नेता प्रकाश सिंह बादल, शिवसेना के बाल ठाकरे और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का स्नेहपूर्वक उल्लेख किया था। इसे पुराने सहयोगियों के प्रति सम्मान और राजनीतिक संबंधों को फिर मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा गया। इसके बाद अगस्त 2026 में प्रधानमंत्री मोदी और सुखबीर सिंह बादल की मुलाकात हुई। साल 2020 में गठबंधन टूटने के बाद यह मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण थी। इसने दोनों दलों के बीच जमी बर्फ पिघलाने का काम किया। मोदी ने इस मामले को केवल सीटों और सत्ता के गणित तक सीमित नहीं रखा। पंजाब की आर्थिक स्थिति, सामाजिक सद्भाव, नशे की समस्या और सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा जैसे व्यापक विषय भी इस राजनीतिक पुनर्समीक्षा का हिस्सा बने। इस घटनाक्रम में सबसे उल्लेखनीय पर्दे के पीछे का नाम सीआर पाटिल का है। गुजरात की राजनीति में नरेन्द्र मोदी के साथ लंबे समय तक काम कर चुके सीआर पाटिल को पंजाब में भाजपा की चुनावी संभावनाओं का आकलन करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने अलग-अलग स्तरों पर जमीनी सर्वेक्षण करवाए। इनका उद्देश्य केवल भाजपा की लोकप्रियता जानना नहीं था बल्कि यह समझना भी था कि अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर राजनीतिक परिणाम किस तरह बदल सकते हैं। सर्वेक्षणों से जो निष्कर्ष सामने आए, वे भाजपा नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण थे। यही वह मोड़ था जहां गठबंधन की राजनीतिक इच्छा को चुनावी आंकड़ों का आधार मिला।

अकाली दल और भाजपा के बीच रिश्ते सितंबर 2020 में कृषि कानूनों के विरोध के कारण टूट गए थे। दोनों दलों के बीच करीब 24 वर्ष पुराना गठबंधन समाप्त हो गया था। इसके बाद 27 अप्रैल 2023 को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम हुआ। प्रकाश सिंह बादल के निधन पर तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने लांबी पहुंचे। यह केवल एक शोकसभा में उपस्थिति नहीं थी। साल 2020 में अलगाव के बाद दोनों दलों के नेताओं का एक साथ दिखाई देना संबंधों में नरमी का पहला सार्वजनिक संकेत बना। नड्डा की इस पहल ने यह संदेश दिया कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पुराने संबंधों और सहयोगियों के प्रति सम्मान कायम है। इस घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि चचाओं के अनुसार अमित शाह शुरूआत में अकाली दल के साथ गठबंधन को लेकर बहुत उत्साहित नहीं थे। भाजपा का एक वर्ग चाहता था कि पार्टी पंजाब में अपना स्वतंत्र राजनीतिक आधार विकसित करे। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पंजाब में अपनी स्थिति बेहतर की थी लेकिन सीआर पाटिल के सर्वेक्षण, पंजाब से मिले राजनीतिक फीडबैक और व्यापक राष्ट्रीय परिस्थितियों के आकलन ने तस्वीर बदल दी।

शाह की पंजाब यात्राओं के दौरान नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परिवारों से संवाद महत्वपूर्ण रहा। इन मुलाकातों ने पंजाब की वास्तविक समस्याओं को राजनीतिक नेतृत्व के सामने अधिक स्पष्ट किया। अंततः शाह ने गठबंधन के पक्ष में सहमति बनाई। शाह की भूमिका को केवल गठबंधन की घोषणा करने वाले नेता के रूप में नहीं बल्कि शुरूआती असहमति से अंतिम सहमति तक पहुंचे निर्णायक सूत्रधार के रूप में है।

पंजाब की राजनीति और वहां के सामाजिक समीकरणों की रवनीत सिंह बिट्टू की समझ भाजपा के लिए उपयोगी रही है। बिट्टू मानते भी हैं कि भाजपा का अकाली दल के साथ वापस आने का निर्णय पंजाब की जनता और पार्टी कार्यकताओं से मिले फीडबैक पर आधारित है। जमीनी स्तर पर दोनों दलों के साथ आने की मांग महसूस की जा रही थी। बिट्टू की भूमिका को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है कि भाजपा को पंजाब में केवल चुनावी सर्वेक्षणों की नहीं बल्कि स्थानीय राजनीतिक मनोदशा की भी जानकारी चाहिए थी। पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की नाराजगी, सिख मतदाताओं का रुख, अकाली दल की संगठनात्मक स्थिति और भाजपा के प्रति स्थानीय प्रतिक्रिया जैसे विषयों पर जमीनी फीडबैक का महत्व था।

पुराने गठबंधन को वापस लाने की अकाली दल की ओर से सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पहल सुखबीर सिंह बादल की रही। भाजपा नेताओं के प्रयासों के साथ अकाली दल की ओर से भी इस गठबंधन को संभव बनाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी थी। सुखबीर सिंह बादल ने अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इसके बाद दोनों दलों के बीच बातचीत आगे बढ़ी।

सुखबीर के सामने भी आसान स्थिति नहीं थी। कृषि कानूनों के विरोध में भाजपा से अलग होने के बाद अकाली दल ने अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाए रखने की कोशिश की लेकिन साल 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल तीन सीटों पर सिमट गई। पार्टी के लिए पुराने राजनीतिक आधार को वापस पाना जरूरी था। भाजपा के संगठनात्मक संसाधनों और राष्ट्रीय राजनीतिक पहुंच का लाभ भी महत्वपूर्ण था। सुखबीर बादल ने 24 नवंबर को गठबंधन को केवल राजनीतिक समझौता नहीं बल्कि पंजाब के हित में भावनात्मक संबंधों की पुनर्स्थापना बताया। मोदी और शाह के स्तर पर राजनीतिक सहमति बनने के बाद पार्टी संगठन को इस निर्णय के साथ खड़ा करना आवश्यक था। गठबंधन की औपचारिक घोषणा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया कि यह किसी एक नेता का व्यक्तिगत निर्णय नहीं बल्कि भाजपा का संस्थागत राजनीतिक फैसला है। सीटों के बंटवारे को लेकर भी उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों दलों के बीच बातचीत आगे बढ़ेगी। इस तरह पर्दे के पीछे की राजनीतिक कवायद को औपचारिक संगठनात्मक स्वीकृति दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

खेतों से दुनिया तक भारत : अन्न उत्पादन का कीर्तिमान कृषि शक्ति का प्रमाण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत के खेतों में इस बार जो इतिहास रचा गया है। यह उस किसान के परिश्रम, संकल्प और सामर्थ्य का प्रमाण है, जो मौसम की अनिश्चितताओं, प्राकृतिक चुनौतियों और खेती की बढ़ती लागत के बीच भी देश के अन्न भंडार भरने में जुटा रहता है। वर्ष 2025-26 में देश का खाद्यान्न उत्पादन 3785.38 लाख टन तक पहुंचना और पिछले वर्ष की तुलना में 208.06 लाख टन की वृद्धि दर्ज करना भारतीय कृषि की असाधारण उपलब्धि है।

दूसरी ओर भारतीय कृषि की बढ़ती ताकत का एक महत्वपूर्ण प्रमाण कृषि निर्यात भी है। प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों सहित भारत का कृषि-खाद्य निर्यात लगातार कई अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का सरकारी आंकड़ा सामने आया है। यह बताता है कि भारत की कृषि अब घरेलू खाद्य जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक व्यापार में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। वस्तुतः चावल, दलहन, जूट, मोटे अनाज और मसालों के उत्पादन में दुनिया में प्रथम स्थान हासिल करना इस उपलब्धि को वैश्विक महत्व प्रदान करता है। सवाल यह है कि क्या इस कीर्तिमान को भारत की कृषि व्यवस्था में निर्णायक बदलाव का संकेत माना जाए? इसका उत्तर निश्चित रूप से सकारात्मक है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2025-26 के अंतिम उत्पादन अनुमान और 2026-27 के खरीफ सीजन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी करते हुए जिस उपलब्धि को सामने रखा है, उसके कई महत्वपूर्ण आयाम हैं। भारत में चावल का उत्पादन 1551.54 लाख टन और गेहूं का उत्पादन 1220.64 लाख टन तक पहुंचना बताता है कि देश की खाद्य सुरक्षा का आधार लगातार मजबूत हुआ है। मक्का उत्पादन में 550.25 लाख टन तक की छलांग और दलहन उत्पादन का 272.40 लाख टन पर पहुंचना भी अपने आप में विशेष महत्व रखता है।

आज भारत चावल, दलहन, जूट, श्री अन्न और मसालों के उत्पादन में दुनिया में पहले स्थान पर है। गेहूं, कपास और मूंगफली सहित कई अन्य उत्पादों में भी भारत की स्थिति मजबूत है। भारतीय चावल के निर्यात में पांच प्रतिशत की वृद्धि और अमेरिका, कनाडा तथा मध्य पूर्व के बाजारों में बासमती की बढ़ती मांग इस बात का संकेत है कि भारतीय कृषि उत्पादों की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ रही है। इस वर्ष खरीफ उत्पादन का अनुमान भारतीय किसानों की जिजीविषा का एक और प्रमाण है। अल नीनो की आशंका, मानसून में देरी और महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में कम बारिश के बावजूद खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1671.43 लाख टन रहने का अनुमान है। यह पिछले पांच वर्षों के औसत से 97.67 लाख टन अधिक है। यह भारत के लिए निश्चित ही विशेष उपलब्धि है। भारतीय कृषि की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक दालों और खाद्य तेलों के मामले में आयात पर निर्भरता रही है। गेहूं और चावल के पर्याप्त भंडार होने के बाद अब सरकार का दलहन और तिलहन उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना समय की मांग है। वर्ष 2025-26 में दलहन उत्पादन 272.40 लाख टन और तिलहन उत्पादन 432.55 लाख टन तक पहुंचना उत्साहजनक है। मूंगफली का 131.71 लाख टन और सरसों का 137.66 लाख टन उत्पादन नए अवसरों की ओर संकेत करता है, किंतु साथ ही हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि आखिर जब देश में दालों और खाद्य तेलों की मांग लगातार बढ़ रही है, तब आयात पर निर्भरता कब तक स्वीकार की जा सकती है? वस्तुतः इसका समाधान किसानों को ऐसी फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित करने में है, जिनकी घरेलू मांग अधिक है और जिनसे उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ मिल सकता है। इसके लिए किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज, उन्नत तकनीक, सिंचाई, कृषि यंत्र और बाजार की सुनिश्चित उपलब्धता देनी होगी।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

बाल विवाह और नशे के खिलाफ जनभागीदारी जरूरी : उपायुक्त

-साहिबगंज को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए गांव-गांव तक चलेगा जागरूकता अभियान, कार्यशाला में अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

संवाददाता



साहिबगंज: बाल विवाह, कम उम्र में विवाह और जबरन विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा नशा मुक्त भारत अभियान के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला मुख्यालय स्थित सिद्धो-कान्हू सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। उपायुक्त दीपक कुमार दूबे के नेतृत्व में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ स्वागत गान और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इसमें विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधियों, शिक्षा एवं बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों, पंचायत स्तरीय कर्मियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, महिला पर्यवेक्षिकाओं, आशा कार्यकताओं, सहियाओं, विद्यालयों के छात्र-छात्राओं और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बाल विवाह मुक्त साहिबगंज बनाना प्रशासन का लक्ष्यः कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने कहा कि इसके दो प्रमुख उद्देश्य हैं। पहला, साहिबगंज जिले को बाल विवाह मुक्त बनाना और इससे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना। दूसरा, मादक पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना।

उन्होंने कहा कि बाल विवाह गंभीर सामाजिक कुरीति है, जो बच्चों के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास को प्रभावित करती है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत इसे रोकने के लिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था की गई है। इसके उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान है।

उपायुक्त ने बताया कि राज्य, जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी नामित किए गए हैं, ताकि बाल विवाह की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कर्मियों से अपने-अपने क्षेत्रों में सजग रहने तथा संभावित मामलों की जानकारी मिलते ही आवश्यक कदम उठाने की अपील की।उन्होंने कहा कि केवल प्रशासनिक प्रयासों से बाल विवाह का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। इसके लिए अभिभावकों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं और प्रत्येक जागरूक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता का संदेश गांव-गांव, पंचायत-पंचायत और घर-घर तक पहुंचाना होगा।

सूचना देने वाले की पहचान रखी जाएगी गोपनीयः उपायुक्त ने कहा कि जिले में बाल विवाह की किसी भी संभावित घटना की सूचना तत्काल प्रशासन को दी जानी चाहिए। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। बाल विवाह के आयोजन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल लोगों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई का प्रावधान है।उन्होंने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य साहिबगंज जिले में बाल विवाह की एक भी घटना नहीं होने देना है। जब तक जिले में बाल विवाह का कोई मामला सामने आता रहेगा, तब तक जागरूकता और रोकथाम के प्रयास जारी रहेंगे। नाशे से दूर रहने के लिए युवाओं को किया जागरूकः नशा मुक्त भारत अभियान पर जोर देते हुए उपायुक्त ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसका असर केवल सेवन करने वाले व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता जरूरी है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास ने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम में प्रखंड और पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं कर्मियों की अहम भूमिका है। उन्होंने संबंधित विभागों से नियमित निगरानी, संभावित मामलों की पहचान और समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की।

नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेशः कार्यशाला में जवाहर नवोदय विद्यालय साहिबगंज, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय बोरियो और गंगिया दामिन उच्च विद्यालय पतना के छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह मुक्त भारत एवं नशा मुक्त भारत विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों और नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान को दर्शाया गया।

आदिम जनजातियों की भाषा को राज्य की जनजातीय भाषा में शामिल करने की मांग, दो प्रतिशत आरक्षण की भी उठी आवाज

साहिबगंज: अखिल भारतीय आदिम जनजाति विकास समिति के बैनर तले अपनी दस सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। इसकी अध्यक्षता समिति के महासचिव शिव चरण मालतो ने की। प्रदर्शन में आदिम जनजाति समुदाय के सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से समुदाय की भाषा, संस्कृति, सामाजिक पहचान, शिक्षा, रोजगार और आर्थिक उत्थान से जुड़ी मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र पूरा करने की अपील की। धरना-प्रदर्शन के बाद महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित दस सूत्री मांगपत्र उपायुक्त को सौंपा गया। मौके पर महासचिव शिव चरण मालतो ने कहा कि आदिम जनजाति समुदाय आज भी कई सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। समुदाय के सर्वांगीण विकास और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आदिम जनजातियों की भाषा, संस्कृति और परंपराएं उनकी विशिष्ट पहचान हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकारी स्तर पर विशेष पहल होनी चाहिए। मालतो और माल पहाड़िया भाषा को मान्यता देने की मांगः समिति की प्रमुख मांगों में मालतो और माल पहाड़िया भाषा को झारखंड की जनजातीय भाषा के रूप में शामिल करना, आदिम जनजाति समुदाय के लिए दो प्रतिशत आरक्षण लागू करना तथा आदिम जनजाति महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता देना शामिल है।

अवैध खनन, नशे के कारोबार और सड़क जाम पर प्रशासन सख्त, तीन बैठकों में बनी कार्रवाई की रणनीति

दुमका: जिले में अवैध खनन, मादक पदार्थों के कारोबार और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स, जिला एनकॉर्ड समिति और जिला सड़क सुरक्षा समिति की अलग-अलग बैठक हुई। तीनों बैठकों में पूर्व में जारी निदेशों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमित जांच, औचक छापेमारी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। वहीं, शहरी क्षेत्र में जाम की समस्या दूर करने के लिए ऑड-ईवन पार्किंग व्यवस्था लागू करने की पहल करने पर भी जोर दिया गया।



अवैध खनन और परिवहन पर होगी संयुक्त छापेमारी

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक में पत्थर, बालू और कोयले के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने की रणनीति बनायी गयी। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और थाना प्रभारियों को संयुक्त रूप से औचक छापेमारी करने का निर्देश दिया। चेकनाका पर नियमित जांच अभियान चलाने के साथ खनन क्षेत्रों और खनिज परिवहन वाले मार्गों पर लगातार निगरानी रखने को कहा गया। अनियमितता मिलने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध खनन और खनिज परिवहन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने अवैध खनिज परिवहन में पकड़े जाने वाले वाहनों को जब्त कर तत्काल प्राथमिकी दर्ज करने और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को कहा। जिला एनकॉर्ड समिति की बैठक में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री और खेती पर रोक लगाने को लेकर चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्कूल-कॉलेजों सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे के कारोबार से जुड़े हॉट-स्पॉट चिह्नित करने का निर्देश दिया। साथ ही तस्करों और पेडलरों के नेटवर्क की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। अफीम की अवैध खेती की आशंका वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का भी निर्देश दिया गया।

कैंडल मार्च निकाल छात्राओं ने बाल विवाह के खिलाफ बुलंद की आवाज

- बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प, कानून और अधिकारों की दी गई जानकारी

संवाददाता



साहिबगंज: अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह निषेध दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्राओं ने कैंडल मार्च निकालकर समाज को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ जागरूकता, शिक्षा और बदलाव का संदेश दिया।

इसी क्रम में सदर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी के नेतृत्व में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बाल कल्याण समिति के सदस्य देवव्रत कुमार, गैर संस्थागत देखरेख पदाधिकारी चंदा कुमारी, मंथन संस्था के जिला समन्वयक अमन वर्मा और एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के अनिल कुमार उपस्थित रहे। बाल विवाह निषेध कानून की दी गई जानकारीः कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों, बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इससे उत्पन्न होने वाली सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी प्रावधान उपलब्ध हैं। छात्राओं को अपनी शिक्षा जारी रखने, अधिकारों के प्रति सजग रहने और बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ निर्भीक होकर आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को अपने आसपास बाल विवाह की घटनाओं को रोकने और जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन मीरू सोरेन, मेरीनीला मरांडी सहित सैकड़ों छात्राओं ने भाग लिया।

72 ग्राम संगठनों को मिले 1.54 करोड़ रुपये, महिला समूहों को मिलेगा आर्थिक संबल

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े में राजमहल में परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी और संगठन सम्मानित



साहिबगंज: झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के अवसर पर राजमहल प्रखंड में परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कार्यक्रम में राजमहल विधायक प्रतिनिधि, प्रखंड प्रमुख, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी, जिला परिषद सदस्य सहित प्रखंड स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

72 ग्राम संगठनों को सामुदायिक निवेश निधि का लाभः कार्यक्रम के दौरान कुल 72 ग्राम संगठनों को सामुदायिक निवेश निधि के अंतर्गत 1 करोड़ 54 लाख रुपये की राशि का डमी चेक प्रदान किया गया। इस वित्तीय सहायता से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन और आय सृजन से संबंधित गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी और संगठन सम्मानितः झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों और कैडरों को मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बेहतर प्रदर्शन करने वाले संकुल संगठनों को भी उनके सराहनीय कार्यों और उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, सामुदायिक भागीदारी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की पहल से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और गांवों में रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर सृजित करने में मदद मिलेगी।

बरहेट में योजनाओं की सौगात, 205 सखी मंडलों को मिले चेक,

-किसानों को बीज, पेंशन लाभुकों को स्वीकृति पत्र और अबुआ आवास के लाभुकों को मिली चाबी

संवाददाता



साहिबगंज/बरहेटः झारखंड स्थापना दिवस 2026 पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को बरहेट प्रखंड मुख्यालय में बीडीओ अंशु कुमार पांडे के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रखंड प्रमुख बर्नाड मरांडी और प्रखंड सचिव मुजीबुर रहमान शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभुकों के बीच सहायता राशि, चेक और परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

सखी मंडलों को मिला बैंक क्रेडिट लिंकेज का लाभः कार्यक्रम में जेएसएलपीएस की ओर से 90 सखी मंडलों को बैंक क्रेडिट लिंकेज तथा 115 सखी मंडलों को सामुदायिक निवेश निधि के तहत चेक प्रदान किए गए। कृषि विभाग की ओर से किसानों के बीच मसूर, सरसों और गेहूं के बीज वितरित किए गए। वहीं, वीबी-जी राम जी योजना के तहत पांच मजदूरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पशुधन विकास योजना के तहत परिसंपत्तियों का वितरण किया गया, जबकि पेंशन योजना के दो लाभुकों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। अबुआ आवास के लाभुकों को मिली चाबीः अबुआ आवास योजना के तहत फूलभंगा गांव निवासी गोपाल बेसरा और बरहेट संथाली दक्षिणी की लाभुक गीता देवी को गृह प्रवेश के लिए आवास की चाबी और उपहार प्रदान किए गए। आवास की चाबी मिलने पर लाभुकों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। सखी मंडल की दीदियां रांची रवानाः झारखंड स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए बरहेट की सखी मंडल की दीदियों को रांची रवाना किया गया। बीडीओ अंशु कुमार पांडे और प्रखंड प्रमुख बर्नाड मरांडी ने हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया और समारोह में शामिल होने के लिए शुभकामनाएं दीं।

मौके पर प्रखंड प्रमुख बर्नाड मरांडी ने कहा कि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाना प्रशासनिक अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। आपसी समन्वय से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पात्र लाभुक सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से एसआईआर प्रक्रिया के प्रति जागरूक रहने और समय पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने की अपील की। कार्यक्रम में छवि हेंब्रम, लुखीराम हेंब्रम, पुसा टुडू, समदा सोरेन, सुनील सोरेन, बेला किस्कू सहित कई जनप्रतिनिधि, विभागीय कर्मी और ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

नीति आयोग के मानकों पर डीसी सख्त

स्कूलों के शौचालयों की मरम्मत और एआई क्लासरूम का काम जल्द पूरा करने का निर्देश

दुमकाः जिले में नीति आयोग के तहत संचालित योजनाओं और निर्धारित मानकों (इंडिकेटरों) की प्रगति को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और कृषि क्षेत्र से संबंधित योजनाओं की विभागवार समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

एनीमिया से प्रभावित लोगों का समुचित उपचार सुनिश्चित करें

स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एएनसी रजिस्ट्रेशन, एनीमिया की पहचान एवं उपचार और आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने एनीमिया से प्रभावित लोगों का समुचित उपचार कराने और उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े मानकों में सुधार लाने पर भी जोर दिया। वहीं, गंभीर रूप से कुपोषित (सैम) श्रेणी के बच्चों की स्थिति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने को कहा।

खराब शौचालयों की प्राथमिकता के आधार पर करायें मरम्मत

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विद्यालयों में शौचालयों की उपलब्धता और उनकी स्थिति पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों में शौचालय खराब हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत करायी जाये। आवश्यकता के अनुसार नये शौचालयों का निर्माण भी कराया जाये, ताकि विद्यार्थियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

इसके अलावा विभिन्न विद्यालयों में एआई क्लासरूम स्थापित करने की प्रक्रिया जल्द पूरी करने का निर्देश दिया। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध करायी जा सकेगी।

एक सप्ताह में किसानों को बांटें सॉइल हेल्थ कार्ड

कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। किसानों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ की जानकारी देने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक पात्र किसान इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने एक सप्ताह के भीतर किसानों के बीच सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पोटैटो प्रोसेसिंग यूनिट से संबंधित कार्यों में तेजी लाकर उसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

नीति आयोग के फंड से चल रही योजनाओं की भी समीक्षा

बैठक में नीति आयोग के फंड से संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने को कहा। जिला पशुपालन पदाधिकारी को कलेक्शन सेंटर का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने का निर्देश दिया, ताकि संबंधित लाभुकों को इसका लाभ मिल सके।

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी तरह की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करें।

आजादी के दशकों बाद भी सड़क से वंचित पहाड़िया गांव, ग्रामीणों ने डीसी से लगाई गुहार

- देवाना पहाड़ और घोघरहिया तक सड़क निर्माण की मांग, ग्रामीणों ने सौंपा आवेदन



साहिबगंज: जिले के पहाड़िया बहुल गांवों में सड़क की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने आवाज बुलंद की है। देवाना पहाड़ एवं घोघरहिया गांव के ग्रामीणों ने बैठक कर सड़क निर्माण के मुद्दे पर चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से गांव तक सड़क निर्माण कराने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने उपायुक्त दीपक कुमार दुबे को आवेदन सौंपकर जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी उनके गांवों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। सड़क के अभाव में लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को होती है। सड़क नहीं होने के कारण बच्चों को स्कूल जाने में भी दिक्कत होती है। वहीं, ग्रामीणों को प्रखंड मुख्यालय तक पहुंचने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों ने दी सहमतिः ग्रामीणों ने अपने आवेदन में स्पष्ट किया है कि पहाड़िया समुदाय के लोग सड़क निर्माण के लिए अपनी सहमति दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि ग्रामीणों की सहमति को ध्यान में रखते हुए निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराई जाए। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से गांव के विकास का रास्ता खुलेगा। लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सुविधाओं का लाभ लेने में सहूलियत होगी। उन्होंने उपायुक्त से इस मामले में व्यक्तिगत पहल कर सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

सड़क हादसे में दो की मौत, एक गंभीर

कोडरमा : जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर रायडीह मोड़ के पास शनिवार सुबह हाइवा और ऑटो के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

इस भीषण हादसे में ऑटो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार हाइवा (जेएच 10 सीक्यू 2093) नवलशाही से डोमचांच की ओर जा रहा था, जबकि ऑटो (जेएच 02 बीएक्स 8155) डोमचांच से नवलशाही की ओर आ रहा था। इसी दौरान रायडीह मोड़ के पास दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल, कोडरमा पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र स्थित नूरी मस्जिद निवासी अकबर अली और डोमचांच के फुलवरिया स्थित रामनगर निवासी 55 वर्षीय जीवन मेहता उर्फ मंगरू मेहता के रूप में हुई है। वहीं, घायल ऑटो चालक की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के भादोडीह निवासी सलीम के रूप में हुई है। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। इधर, हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई ।

आकाश दीप ने टेस्ट में दूसरी बार झटके पांच विकेट, न्यूजीलैंड की पारी 356 रन पर सिमटी



क्राइस्टचर्च। भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को दूसरे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने करियर में दूसरी बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने 99 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई। आकाश दीप ने न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन और मैट हेनरी को अपना शिकार बनाया। 29 वर्षीय गेंदबाज ने लगातार सही लेंथ और चौथे स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी कर न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया। गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने की उनकी क्षमता ने भी बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कीं।

आकाश ने पहले दिन दूसरे सत्र में लगातार दो ओवरों में लैथम और रचिन रवींद्र को आउट कर भारत की मुकाबले में वापसी कराई। उस समय लैथम और डेवोन कॉनवे लगातार रन बनाकर न्यूजीलैंड की पारी को आगे बढ़ा रहे थे। इसके बाद नाथन स्मिथ और काइल जैमीसन को आउट कर आकाश ने अपने विकेटों की संख्या चार पहुंचा दी। हालांकि, पांचवां विकेट हासिल करने के उनके तीन मौके छूट गए। मैट हेनरी को देवदत्त पडिक्कल ने दो बार और गुरनूर बराड़ ने एक बार जीवनदान दिया।

आखिरकार हेनरी की किस्मत ने उनका साथ छोड़ दिया। बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वह गेंद को विकेट के पार पहुंचाने में नाकाम रहे और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर ऋषभ पंत के दस्तानों में चली गई। इस विकेट के साथ ही आकाश ने टेस्ट क्रिकेट में अपना दूसरा पांच विकेट लेने का प्रदर्शन पूरा किया।

आकाश दीप का इससे पहले टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जुलाई 2025 में एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ आया था, जब उन्होंने 99 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे। वही भारतीय टीम की खराब शुरूआत रही और चायकाल तक भारत ने कप्तान शुभमन गिल, देवदत्त पडिक्कल और यशस्वी जयसवाल के विकेट खो दिए हैं।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी

चौथी बार खिताब जीतने उतरेगा भारत, फाइनल में चीन से मुकाबला



भोपाल। महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में लगातार तीसरी बार खिताब जीतने के इरादे से भारतीय टीम शनिवार को फाइनल में चीन के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में होने वाले इस मुकाबले में मेजबान टीम का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। भारत ने टूर्नामेंट में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीते हैं और लगातार 14 मैचों से जीत की राह पर है। वहीं, अनुभवहीन चीनी टीम के सामने भारतीय आक्रमण को रोकने की बड़ी चुनौती होगी।

भारत ने सेमीफाइनल में मलेशिया को 6-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि चीन ने जापान को मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। लीग चरण में भी भारत ने चीन को 6-2 से शिकस्त दी थी। ऐसे में अपराजित भारतीय टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टूर्नामेंट में भारत का दबदबा इस कदर रहा है कि उसे अब तक केवल शुरूआती मुकाबले में कुल 42 सेकंड के लिए पिछड़ना पड़ा। भारतीय टीम ने आक्रामक हॉकी के दम पर विरोधी टीमों को लगातार दबाव में रखा है। टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा 29 गोल भारत ने किए हैं। पेनल्टी कॉर्नर की विशेषज्ञ दीपिका 10 गोल के साथ टीम की शीर्ष स्कोरर हैं। इनमें से नौ गोल उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर किए हैं। नवनीत कौर ने अग्रिम पंक्ति में शानदार जिम्मेदारी निभाई है, जबकि लालरेमसियामी और मुमताज खान ने भी अहम मौकों पर गोल कर टीम की ताकत बढ़ाई है। भारतीय टीम का पूरे मैदान में दबाव बनाने वाला खेल उसे गेंद पर नियंत्रण रखने और मुकाबले की गति तय करने में मदद करता है। दूसरी ओर, चीन की कोशिश भारतीय खिलाड़ियों को सर्किल के भीतर ज्यादा जगह नहीं देने और अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखने की होगी। चीन के लिए सबसे जरूरी होगा कि वह भारत को शुरूआती मिनटों में बढ़त बनाने से रोके। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने कई मुकाबलों में पहले दो क्वार्टर में ही विपक्षी टीम पर बड़ा दबाव बना दिया है। हालांकि, पिछले कुछ मैचों में शुरूआती दो क्वार्टर के बाद भारतीय आक्रमण की रफ्तार कुछ कम भी हुई है। पिछले तीन मुकाबलों में भारत ने कुल 16 गोल किए, जिनमें से 12 पहले हाफ में आए। दूसरे हाफ में दोनों टीमों का गोल का आंकड़ा 4-4 रहा। लीग चरण में भारत से बड़ी हार झेलने के बाद चीन ने कोरिया और जापान के खिलाफ लगातार 1-0 से जीत दर्ज की। इन दोनों मुकाबलों में उसने एक भी गोल नहीं खाया। इससे फाइनल से पहले उसका आत्मविश्वास बढ़ा होगा।

यह मुकाबला चीन की नई पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए पिछले महीने एशियाई खेलों के फाइनल में भारत के हाथों मिली हार का हिसाब बराबर करने का भी अवसर होगा। उस खिताबी मुकाबले में चीन की सीनियर टीम को भारत ने स्वर्ण पदक जीतने से रोक दिया था। चीन को भारतीय रक्षापंक्ति की अनुभवहीनता का फायदा उठाने के लिए खुले खेल और पेनल्टी कॉर्नर, दोनों से मौके बनाने होंगे। टीम ने अपने नौ गोलों में से पेनल्टी कॉर्नर पर करीब 22 प्रतिशत सफलता हासिल की है। छिंगमियाओ फेंग और छिश्याओ वेई इस मामले में चीन के प्रमुख खिलाड़ी हैं। भारत के खिलाफ लीग मुकाबले में भी चीन ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया था और एक अन्य आक्रमण के दौरान पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया था। चीन की टीम उलटफेर कर खिताब जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन मौजूदा लय, आक्रामक क्षमता और घरेलू दर्शकों के समर्थन को देखते हुए भारत की स्थिति मजबूत है। भारतीय टीम के पास लगातार तीसरी और कुल चौथी बार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का सुनहरा मौका है।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी: जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में पहुंचा चीन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में चल रही महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को खेले गए पहले सेमीफाइन मुकाबले में चीन ने जापान को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। मुकाबले का फैसला आखिरी मिनट में हुआ। वहीं, कोरिया ने थाईलैंड को 4-1 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया। अब सभी की नजरें मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत के सेमीफाइनल मुकाबले पर टिकी हैं। भारतीय टीम का सामना मलेशिया से होगा। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शाम सात बजे शुरू होने वाले इस मैच में भारत की कोशिश जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की करने की होगी। शुक्रवार को चीन और जापान के बीच खेला गया पहले सेमीफाइनल मुकाबला आखिरी मिनटों तक गोलरहित रहा। दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। मैच के 59वें मिनट में चीन की झांग हेयांग ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यही गोल निर्णायक साबित हुआ और चीन ने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए न्यूजीलैंड ने चुने सात तेज गेंदबाज, ओ'रूर्क और रे की वापसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए सात तेज गेंदबाजों को टीम में शामिल किया है। विल ओ'रूर्क और माइकल रे की टीम में वापसी हुई है। ओ'रूर्क को भारत के खिलाफ हालिया सभी प्रारूपों की श्रृंखला में कार्यभार प्रबंधन के तहत आराम दिया गया था। ओ'रूर्क ने पिछली बार इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हिस्सा लिया था। उन्होंने अब तक 14 टेस्ट मैचों में 49 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में पांच विकेट हासिल करने का प्रदर्शन शामिल है। वहीं, छह फुट छह इंच लंबे तेज गेंदबाज रे ने पिछले साल वेलिंगटन में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था। उनके नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 238 विकेट दर्ज हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने ओ'रूर्क की वापसी पर कहा, ब्लंडिल को पहले से ही मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण में वापस शामिल कर पाना बेहद उत्साहजनक है। उनकी लंबाई और तेज गति से गेंद को दाएं हाथ के बल्लेबाज के अंदर की ओर लाने की क्षमता हमारे आक्रमण को एक नया आयाम देती है। साथ ही, यह हमारे पास मौजूद अन्य गेंदबाजों की खूबियों के साथ भी अच्छी तरह मेल खाती है।

क्लेटन और रोचिचियोली को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम में मौका, लियोन बाहर



सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 13 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। क्वींसलैंड के बल्लेबाज जैक क्लेटन और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर कोरी रोचिचियोली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। वहीं, अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन को टीम में जगह नहीं मिली है। शेफील्ड शील्ड में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर क्लेटन ने टीम में जगह बनाई है। वहीं, घरेलू क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से निरंतर अच्छे प्रदर्शन करने वाले रोचिचियोली को पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम में शामिल किया गया है। शेफील्ड शील्ड के छठे दौर के बाद एक और खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा। 27 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज क्लेटन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 40.17 की औसत से 2732 रन बनाए हैं। उनके नाम सात शतक और 16 अर्धशतक हैं। मौजूदा शेफील्ड शील्ड सत्र में उन्होंने नौ पारियों में 74.83 की औसत से 449 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

माधुरी दीक्षित को भी है चाय का शौक, बोलीं-

'हमारे घर में दिनभर बनती थी चाय'



बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपने खुशमिजाज अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। इन दिनों वह मराठी रियलिटी क्विज शो 'कोण होणार करोड़पति' को होस्ट कर रही हैं। शो में माधुरी अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से शेयर करती नजर आती हैं। हाल ही में शो के दौरान कमीडियन और अभिनेता भुवन बाम के साथ बातचीत में माधुरी ने चाय के प्रति अपने प्यार का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके घर में भी दिनभर चाय बनती थी और यह घर की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हुआ करती थी। दरअसल, शो में माधुरी भुवन बाम के साथ बातचीत कर रही थीं।

इस दौरान भुवन ने बताया कि उन्हें मुंबई की सबसे अच्छी बात वहां के लोग लगते हैं। उनकी इस बात पर माधुरी ने सहमति जताई। उन्होंने मुंबई के लोगों की मदद करने वाले स्वभाव की तारीफ की। इसके बाद बातचीत का रुख चाय की तरफ मुड़ गया। भुवन ने चाय के प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें चाय पीना बहुत पसंद है। इस पर माधुरी ने भी अपनी चाय की आदत का जिक्र किया। उन्होंने अपने घर का पुराना रूटीन याद करते हुए बताया, ''हमारे घर में भी दिनभर चाय बनती थी।'' भुवन ने भी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके लिए तो एक पूरा फ्लास्क चाय तैयार किया जाता था। इस पर माधुरी ने उनकी बात आगे बढ़ाते हुए पूछा कि दिनभर चाय पीने के साथ अनजाने में काफी चीनी भी शरीर में चली जाती होगी। इस पर भुवन ने बताया कि उन्होंने अब चीनी खाना छोड़ दिया है।



राशी खन्ना ने शेयर की 'फर्जी 2' के सेट की तस्वीरें

अभिनेत्री राशी खन्ना जल्द ही क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'फर्जी-2' में शाहिद कपूर और विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी। सोमवार को अभिनेत्री ने सेट से कुछ मजेदार पलों की झलकियां शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में अभिनेत्री अपने को-स्टार और पूरी टीम के साथ नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में राशी सेट पर मजे करती नजर आ रही हैं। इसके बाद उन्होंने विजय सेतुपति के साथ चाय और कुकीज एंजॉय करते हुए एक फोटो शेयर की। इसमें राशी को ताली बजाते हुए भी देखा जा सकता है, जब शाहिद कपूर माइक लेकर क्रू को संबोधित कर रहे हैं। अभिनेत्री ने तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'सेट पर एक और दिन... फर्जी-2। ' वहीं, शाहिद कपूर ने अक्टूबर में इस क्राइम थ्रिलर सीरीज के दूसरे सीजन की शूटिंग पूरी कर ली थी। इस मौके पर फिल्ममेकर जोड़ी राज एंड डीके ने 'फर्जी 2' के सेट से एक्टर का एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर किया था। क्लिप में शाहिद कपूर अपने किरदार सनी से बाहर निकलकर अपनी मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रहे थे। राज एवं डीके द्वारा निर्देशित क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'फर्जी-2' में शाहिद कपूर सनी के किरदार में वापसी कर रहे हैं। वहीं, विजय सेतुपति पुलिस अधिकारी माइकल वेदनयगम के रोल में नजर आएंगे। अभिनेत्री राशी खन्ना आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास के किरदार में नजर आएंगी, जबकि अभिनेत्री कुब्रा सैत एक बार फिर सायरा के किरदार में नजर आएंगी।



प्रभु देवा की फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू करेंगे विष्णु मंचू, बर्थडे पर हुआ ऐलान

मशहूर तेलुगु अभिनेता और निर्माता विष्णु मंचू जल्द ही फिल्मकार प्रभु देवा की आगामी तमिल-तेलुगु फिल्म 'वीएम24' में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। सोमवार को प्रभु देवा ने विष्णु मंचू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए इस फिल्म में उनके साथ काम करने की आधिकारिक पुष्टि की। प्रभु देवा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विष्णु मंचू के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों स्टाइलिश अंदाज में पोज दे रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'मेरे हीरो और छोटे भाई विष्णु मंचू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। इस सेलिब्रेशन को 'वीएम24' के साथ और भी ज्यादा स्पेशल और रंगीन बना रहे हैं।

प्रभु देवा म विष्णु मंचू की फिल्म 'वीएम24'।' सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म के टाइटल, कहानी और बाकी कास्ट के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन दो बड़े नामों के एक साथ आने की वजह से ही इस प्रोजेक्ट ने पहले से ही सबका ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म के जरिए प्रभु देवा लंबे अंतराल के बाद तेलुगु सिनेमा में निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं, जबकि अभिनेता विष्णु मंचू इस फिल्म के जरिए तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। विष्णु मंचू ने अपना करियर मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में बनाया है, जिसमें 'धी', 'देनीकैना रेडी', 'दूसुकेल्था' और 'गिन्ना' जैसी फिल्में शामिल हैं। वह आखिरी बार 'कन्नप्पा' में नजर आए थे, जो मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल ड्रामा फिल्म थी। इसमें प्रभास, अक्षय कुमार और मोहनलाल जैसे बड़े स्टार्स थे।

झाड़ू लगाने की एक्टिंग करते-करते रो पड़ी थीं दीपिका

क्या आप यकीन करेंगे कि डेब्यू से पहले एक मामूली सा सीन करते-करते रो पड़ी थीं दीपिका पादुकोण. अनुपम खेर की क्लास में झाड़ू लगाने का टास्क मिलते ही उनकी वह कौन सी आदत आड़े आ गई, जिसके बाद अनुपम को घर की बाई बुलानी पड़ी. पढ़िए यह दिलचस्प किस्सा.

आज हर किरदार में जान फूंक देने वालीं दीपिका पादुकोण कभी एक छोटे से सीन में बुरी तरह फंस गई थीं. बात इतनी बढ़ गई कि झाड़ू लगाने की एक्टिंग करते-करते वह क्लास में ही रो पड़ीं. हैरानी की बात यह है कि उन्हें असली अंदाज सिखाने के लिए अनुपम खेर को अपने घर में काम करने वाली बाई को ही क्लास में बुलाना पड़ा. आखिर दीपिका ऐसा क्या कर रही थीं कि अनुपम को यह कदम उठाना पड़ा. जानें यह मजेदार और चौंकाने वाला किस्सा.



मॉडलिंग का स्टाइल और झाड़ू का टास्क

अनुपम खेर ने गोवा में हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के एक पैनल डिस्कशन में यह दिलचस्प किस्सा सुनाया. उनके मुताबिक, फिल्मों में आने से पहले दीपिका पादुकोण उनके एक्टिंग स्कूल 'एक्टर प्रिपेयर्स' के दूसरे बैच की स्टूडेंट थीं. उन्होंने डेब्यू से पहले वहां तीन महीने का एक्टिंग कोर्स किया था. उस वक्त दीपिका मॉडलिंग की दुनिया में अपनी पहचान बना चुकी थीं. अनुपम ने बताया कि दीपिका की हर अदा में एक नजाकत और स्टाइल दिखता था यहां तक कि चाय का कप उठाने का अंदाज भी खास होता था. एक दिन क्लास में अनुपम ने दीपिका को नौकरानी बनकर फर्श पर झाड़ू लगाने का टास्क दिया. लेकिन दीपिका यह काम भी बड़ी नजाकत और स्टाइल के साथ करने लगीं.

जब क्लास में आईं घर की बाई

दीपिका को यह समझाना आसान नहीं था कि कामवाली बाई के किरदार में स्टाइल नहीं, बल्कि असलीपन चाहिए. इसलिए अनुपम खेर अपने घर में काम करने वाली महिला को ही क्लास में ले आए. उन्होंने उससे फर्श पर झाड़ू लगाकर दिखाया ताकि दीपिका देख सकें कि यह काम स्वाभाविक तरीके से कैसे होता है. इसके बाद दीपिका को वही सीन बार-बार करने को कहा गया.

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर आज जलेगा दीप, सीआरपीएफ तैनात

एजेंसी



मदुरै (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उच्चतम न्यायालय के सख्त अंतरिम आदेश के बाद शनिवार को पहाड़ी की चोटी पर स्थित विवादित दीप स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाया जाना है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे पहाड़ी क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की तैनाती कर दी गई है। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने कार्तिगई दीपम उत्सव के अवसर पर तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीप स्तंभ पर दीप जलाने का अंतरिम निर्देश दिया था। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भी इस आदेश का पालन करने को कहा था।

हालांकि, 24 नवंबर को परंपरागत रूप से उचिपिल्लैयार मंदिर के पास स्थित स्तंभ पर ही दीप जलाया गया। पहाड़ी की चोटी पर स्थित विवादित दीप स्तंभ पर दीप नहीं जलाया गया। इसके बाद मदुरै के जिला कलेक्टर निशांत कृष्णा ने उच्चतम न्यायालय में 17 पन्नों की रिपोर्ट दाखिल कर अपनी ओर से माफी मांगी।

इस मामले में 27 नवंबर को उच्चतम न्यायालय में दोबारा सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जिला कलेक्टर की ओर से दलील दी गई कि दीप जलाना उनका काम नहीं है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताई और स्पष्ट निर्देश दिया कि 28 नवंबर को पहाड़ी की चोटी पर स्थित दीप स्तंभ पर अनिवार्य रूप से दीप जलाया जाए। अदालत ने श्रद्धालुओं को भी पहाड़ी की चोटी पर दीप जलाने की अनुमति दी। साथ ही, सीआरपीएफ को तत्काल पहाड़ी की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में तमिलनाडु के मुख्य सचिव, डीजीपी, मदुरै जिला कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक समेत कुल 13 लोगों को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया है। मुख्य सचिव को विस्तृत जवाबी हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अलावा, मंदिर के न्यासी बोर्ड को भंग करने और मंदिर का प्रशासन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों एस. वैद्यनाथन और पार्थिबन को सौंपने का आदेश भी दिया गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि पहाड़ी पर स्थित सिकंदर दरगाह की सुरक्षा में किसी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए। मंदिर और दरगाह के क्षेत्रों को अलग-अलग रखने के लिए बाड़ लगाने की अनुमति भी दी गई है।

उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीआरपीएफ की 15वीं बटालियन के 130 जवान कमांडेंट सुनील कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार रात कोयंबटूर से मदुरै पहुंचे। उन्हें तनक्कनकुलम रोड स्थित एक विवाह भवन में ठहराया गया है। इसके बाद 40 अतिरिक्त जवान भी तिरुप्परंकुंद्रम पहुंच गए। इस तरह कुल 170 जवानों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए अधिकारियों और महिला अधिकारियों की टीम भी तैनात की गई है। इसके अलावा चेन्नई और बेंगलुरु सहित अन्य स्थानों से अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बल बुलाए जा रहे हैं।

मंदिर के पहाड़ी क्षेत्र, विवादित दीप स्तंभ और सिकंदर दरगाह के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। पूरे इलाके में केंद्रीय बलों की मौजूदगी के कारण हलचल बढ़ गई है।

गुवाहाटी के बामुनीमैदाम में रेल इंजन पटरी से उतरा, राहत कार्य जारी



गुवाहाटी। गुवाहाटी के बामुनीमैदाम इलाके में शनिवार को एक रेल इंजन पटरी से उतर गया, जिससे रेलवे परिसर में हलचल मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंजन बीजी माल गोदाम से पलटन बाजार की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद रेलवे कर्मचारी और तकनीकी टीम इंजन को दोबारा पटरी पर चढ़ाने के प्रयास में जुट गए हैं। दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। हादसे में किसी के घायल होने अथवा अन्य नुकसान की सूचना फिलहाल सामने नहीं आई है। रेलवे की ओर से इंजन को पटरी पर लाने के लिए रेस्क्यू और रिकवरी कार्य जारी है।

छत्तीसगढ़ : 1,280 करोड़ के शराब घोटाले का आरोपित विकास अग्रवाल 30 नवंबर तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर

एजेंसी



रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 1,280 करोड़ के शराब घोटाला मामले में जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित विकास अग्रवाल को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया और उसे शुक्रवार रात करीब 12 बजे उसे रायपुर की रिमांड अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत ने पूछताछ के लिए आरोपित को 30 नवंबर तक आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया है।

अदालत में जज की अनुपस्थिति के कारण विकास अग्रवाल को देर रात रिमांड अदालत में पेश किया गया। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने आरोपित से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग की थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने 30 नवंबर तक पूछताछ की अनुमति दे दी। रात करीब 12:33 बजे ईओडब्ल्यू के अधिकारी आरोपित को लेकर कार्यालय पहुंचे। अब सोमवार को उसे दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा। जांच एजेंसियों के अनुसार, साल 2019 से 2022 के बीच छत्तीसगढ़ में शराब वितरण में हुई कथित गड़बड़ी से सरकारी खजाने को 1,280 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ था।इस मामले में नवंबर 2024 में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। विकास अग्रवाल यूएई में रहकर 'बोस्टन' नामक कंपनी में मैनेजर के तौर पर काम कर रहा था। वह शराब सिंडिकेट में डिस्टिलरी से कमीशन की रकम वसूलता था और उसे अधिकारियों व अन्य लाभार्थियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालता था।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के जरिए यूएई में विकास अग्रवाल की गिरफ्तारी कराई थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के समन्वय से प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की गई। आरोपित को रायपुर लाने के लिए छत्तीसगढ़ ईओडब्ल्यू की विशेष टीम भेजी गई थी, जिसमें ईओडब्ल्यू चीफ (आईजी) अमरेश मिश्रा, डीएसपी रोशन आहूजा और डीएसपी राहुल शर्मा शामिल थे।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता शशांक मिश्रा ने अदालत में कहा कि आरोपित पर उसी अपराध के तहत कार्रवाई और ट्रायल किया जा सकता है, जिसके आधार पर उसे भारत लाया गया है। प्रत्यर्पण के आधार से अलग कोई नया अपराध नहीं जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही बचाव पक्ष ने अदालत से मांग की कि पूछताछ के दौरान आरोपित के मानवाधिकारों का उल्लंघन न हो और प्रक्रिया की निगरानी के लिए एजेंसी के किसी अधिकृत अधिकारी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए।

ईओडब्ल्यू अब रिमांड के दौरान आरोपित से शराब घोटाले से जुड़े वित्तीय लेन-देन और अन्य पहलुओं पर पूछताछ करेगी। एजेंसी का मानना है कि विकास अग्रवाल से पूछताछ में कथित शराब सिंडिकेट के पैसों के लेन-देन और मामले में शामिल अन्य आरोपितों की भूमिका से जुड़े अहम खुलासे हो सकते हैं।

मासूम की मौत के बाद भड़का आक्रोश, पांच पुलिसकर्मी हुए घायल



अररिया। जिले के बसमतिया थाना क्षेत्र के बेला पंचायत के भैरोगंज में बीती रात्रि कार की ठोकर से छह वर्षीय मासूम बच्चे की मौत के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। घटना से आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीणों ने भारत नेपाल बॉर्डर रोड को जाम कर दिया। कार चालक रामकुमार मेहता को मृतक के स्वजनों और ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। घटना की सूचना मिलने पर बसमतिया थाना पुलिस और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों के कब्जे से चालक को मुक्त कराने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। देखते ही देखते स्थिति उग्र हो गई। आक्रोशित लोगों और पुलिस के बीच झड़प होने लगी। भीड़ ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया,जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए।वहीं कई पुलिसकर्मी चोटिल हो गए।आक्रोशित भीड़ ने एक पुलिस वाहन और पुलिस के दो बाइक को आग के हवाले कर दिया।झड़प में घूरना थाना के डायल 112 वाहन के चालक अजीत कुमार को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए सुपौल जिले के वीरपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया । अन्य घायल पुलिसकर्मियों का भी इलाज कराया गया।

सूचना के बाद देर रात ही एसपी जितेन्द्र कुमार,फारबिसगंज एसडीपीओ राजकिशोर प्रसाद सहित कई थाना की पुलिस के साथ भारी संख्या पुलिस बल रात को मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। मामले पर एसपी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि बीती रात सड़क हादसे में ढाई साल के बालक की मौत के बाद भीड़ द्वारा आरोपित कार चालक को बंधक बना लिया गया था। ग्रामीण सड़क जाम कर दिए थे।सूचना पर मौके पर बसमतिया और घूरना पुलिस पहुंची और लोगों को समझा बुझाकर शांत करते हुए बंधक बनाए गए चालक को मुक्त करा लिया था,लेकिन इसी दौरान गांव की कुछ महिलाएं उग्र हो गई और पुलिस टीम पर हमला कर दिया।जिसमें पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। सभी का इलाज कराया गया है।भीड़ ने पुलिस की गाड़ी में भी आग लगाई,जिसे फायर बिग्रेड की मदद से बुझाया गया।विधि व्यवस्था सामान्य होने की बात करते हुए मामले में अग्रतर कार्रवाई करने की बात कही।वहीं पुलिस पर किए गए हमले और आगजनी को लेकर विधि सम्मत समुचित कार्रवाई करने की बात कही।

बलूचिस्तान में चार पूर्व सैन्यकर्मी समेत 6 की हत्या, बीएलए ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी



क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में हिंसा की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने चगाई जिले में एक खनन परियोजना से अगवा किए गए छह लोगों की हत्या कर दी है। संगठन के मुताबिक, मारे गए लोगों में पाकिस्तान सेना और रेंजर्स के चार पूर्व कर्मचारी भी शामिल हैं। हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक इन हत्याओं और शवों की बरामदगी को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

बलूचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क 'द बलूचिस्तान पोस्ट'

ने बीएलए प्रवक्ता जियांद बलूच के हवाले से बताया कि संगठन के लड़ाकों ने 18 नवंबर को डलबंदिन के खरगोशकान इलाके में एक खनन स्थल पर कब्जा किया था। इस दौरान वहां मौजूद मशीनरी, वाहनों और उपकरणों को आग के हवाले कर दिया गया था। संगठन ने दावा किया कि खनन कंपनी के कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों समेत कुल 11 लोगों को अगवा किया गया था। इनमें से छह लोगों को मौत की सजा सुनाने के बाद मार दिया गया, जबकि पांच अन्य अब भी संगठन की हिरासत में हैं।

बीएलए के अनुसार, यह कार्रवाई उसके कथित 'बलूच नेशनल कोर्ट' के फैसले के बाद की गई। बीएलए ने बताया कि मारे गए छह लोग अस्करी गार्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से खनन स्थल पर हथियारबंद सुरक्षा प्रदान कर रहे थे। संगठन ने चार पूर्व सैन्य और रेंजर्स कर्मियों की पहचान भी बताई है। इनमें पंजाब के मियांवाली के सवाब जान, पेशावर के दरयाई के साहिल मुहम्मद, बलूचिस्तान के उस्ता मुहम्मद के मुबारक खान और सिंध रेंजर्स के पूर्व सदस्य अब्दुल मरजान शामिल हैं।

संगठन का आरोप है कि पूछताछ और सबूतों की जांच के बाद इन लोगों के पाकिस्तानी सेना से संबंध होने की जानकारी मिली थी। बीएलए ने दावा किया कि निजी सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले ये लोग वास्तव में सैन्य गतिविधियों का हिस्सा थे।

यमन के 4 प्रांतों में हवाई हमले, विस्फोट में घायल एक सुरक्षा अधिकारी की मौत

एजेंसी

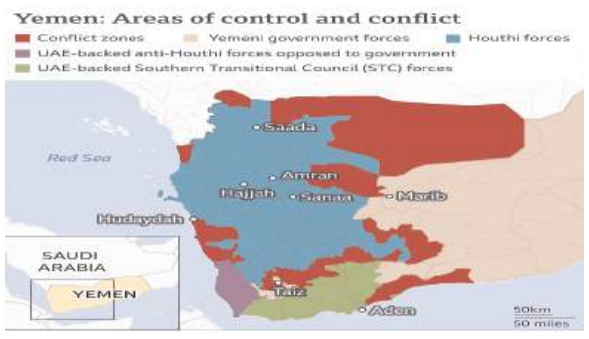

सना। यमन में सरकारी बलों और हौथी विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। शुक्रवार को देश के चार प्रांतों में सैन्य तनाव बढ़ने की खबरें सामने आईं। यमन के सरकारी बलों ने दक्षिण-पश्चिमी प्रांत ताइज और उत्तरी प्रांत अल-जौफ में हौथी ठिकानों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया। वहीं, हौथी समूह ने सऊदी अरब पर ताइज, अल-हुदैदाह और सादा में हवाई हमले करने का आरोप लगाया है।

इसी बीच, दक्षिणी प्रांत लाहज में सड़क किनारे हुए बम विस्फोट में घायल एक सुरक्षा अधिकारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। लगातार बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने क्षेत्र में तनाव और बढ़ा दिया है।

यमन की सेना ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि उसके लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी ताइज के अल-अकरौद मोर्चे पर स्थित माउंट धाहिह में हौथी विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, सेना ने हमले में हुए नुकसान या हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

अल-अकरौद मोर्चा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह ताइज शहर के दक्षिणी प्रवेश द्वार और माउंट साबिर के नजदीक स्थित है। माउंट साबिर से शहर के बड़े हिस्से पर नजर रखी जा सकती है। वहीं, उत्तरी प्रांत अल-जौफ में सरकारी बलों ने ड्रोन के जरिए हौथी विद्रोहियों के सैन्य वाहनों पर हमले किए। सेना की आधिकारिक वेबसाइट 'सितंबर नेट' ने इन हमलों के वीडियो भी जारी किए हैं। हालांकि, हमलों के परिणामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अल-जौफ की भौगोलिक स्थिति भी सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसकी सीमा सऊदी अरब से लगती है और यह हौथी नियंत्रित सादा, अमरान तथा सना प्रांतों के करीब है। इसके अलावा, यह तेल समृद्ध हधरामौत और मारिब के भी नजदीक है।

दक्षिणी यमन के लाहज प्रांत में एक सड़क किनारे हुए बम विस्फोट में घायल सुरक्षा अधिकारी कैप्टन अव्वास मोहम्मद इस्कंदर की शुक्रवार को मौत हो गई।

स्थानीय समाचार वेबसाइट 'अल-मस्दर ऑनलाइन' के मुताबिक, इस्कंदर ग्रीन सिटी के पुलिस प्रमुख थे। मंगलवार को अल-फायोश इलाके में उनके गश्ती दल को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया था। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। फिलहाल विस्फोट के पीछे किसका हाथ था और हमले की परिस्थितियां क्या थीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच, ताइज में यमन सरकार के 'सीज अफेयर्स ऑफिस' ने हौथी विद्रोहियों पर महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाने का गंभीर आरोप लगाया है।कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 10 अगस्त से 17 नवंबर के बीच ताइज के विभिन्न जिलों में हौथी विद्रोहियों की गोलाबारी और स्नाइपर हमलों में 42 महिलाओं और लड़कियों की मौत हुई, जबकि 161 अन्य घायल हुईं। इस तरह कुल 203 महिलाओं और लड़कियों के हताहत होने का दावा किया गया है। कार्यालय ने कहा कि लगातार जारी हमलों के कारण हजारों महिलाओं को अपने घर छोड़कर विस्थापित होना पड़ा है। इन हमलों में गोलाबारी, स्नाइपर फायरिंग और हत्याएं शामिल हैं। हालांकि, इन आंकड़ों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

यमन में सरकारी बलों और हौथी विद्रोहियों के बीच जुलाई से सैन्य संघर्ष तेज हुआ है। खासतौर पर ताइज, लाहज और मारिब प्रांतों में लड़ाई बढ़ी है। इससे अप्रैल, 2022 से बनी अपेक्षाकृत शांति की स्थिति को झटका लगा है। यमन में संघर्ष की शुरूआत सितंबर 2014 में हुई थी, जब हौथी विद्रोहियों ने राजधानी सना और कई अन्य प्रांतों पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद मार्च, 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले अरब गठबंधन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार के समर्थन में सैन्य हस्तक्षेप किया। तब से देश गृहयुद्ध और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

कराची में छह मंजिला इमारत ढही, 9 की मौत और 11 लापता, 4 आरोपित गिरफ्तार



कराची। पाकिस्तान के कराची में निमार्णाधीन छह मंजिला इमारत गिरने के हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। शनिवार सुबह बचावकर्मियों ने मलबे से एक और शव बरामद किया। मृतक की पहचान 30 वर्षीय मुहम्मद अली के रूप में हुई है। हादसे के बाद से राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, अभी भी 11 लोग लापता हैं, जबकि 14 लोग घायल हुए थे। तथा अंतरराष्ट्रीय मीडिया जिओ न्यूज के मुताबिक, यह हादसा शुक्रवार को कराची की एडमिन सोसाइटी में बलूच कॉलोनी के पास हुआ था। निमार्णाधीन छह मंजिला इमारत अचानक ढह गई, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। घटना के तुरंत बाद 'रेस्क्यू 1122' सहित आपातकालीन बचाव दलों ने राहत अभियान शुरू किया। बचावकर्मियों ने हादसे के करीब दो दिन बाद एक मार्बल कारीगर को मलबे से जिंदा बाहर निकाला था। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में घायल 14 लोगों में से 13 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी अस्पताल में भर्ती है। बचाव दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे के नीचे फंसे लोगों तक पहुंचना है। अधिकारी भारी मशीनों के इस्तेमाल से बच रहे हैं और हाथों से मलबा हटाने के साथ कंक्रीट के स्लैब को सावधानीपूर्वक काट रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि भारी मशीनों के इस्तेमाल से बचा हुआ ढांचा और अस्थिर हो सकता है। साथ ही मलबे में फंसे लोगों को भी नुकसान पहुंचने का खतरा है। रेस्क्यू 1122 की टीमों ने मलबे के बीच रास्ते बनाए हैं, ताकि उन हिस्सों तक पहुंचा जा सके जहां लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सभी लापता लोगों का पता चलने तक अभियान जारी रहेगा। हादसे के बाद पुलिस ने इमारत गिरने के मामले में हत्या, लापरवाही और असावधानी समेत कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, मामले में 10 लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उपराष्ट्रपति व अन्य ने ज्योतिराव फुले को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह समेत कई नेताओं ने शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ज्योतिराव फुले

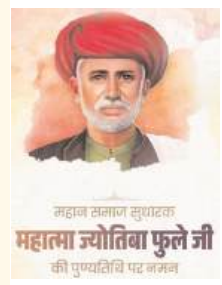

का पूरा जीवन सामाजिक समानता, न्याय और शिक्षा के लिए समर्पित था। महिला शिक्षा के अग्रदूत और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले महात्मा फुले का, एक समावेशी और समतामूलक समाज बनाने का अटूट संकल्प आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील भारत के निर्माण की हमारी सामूहिक यात्रा में, उनके आदर्श आज भी हमारा मार्गदर्शन करते हैं।ओम बिरला ने कहा कि ज्योतिराव फुले ने अपना पूरा जीवन सामाजिक समानता, शिक्षा और मानवीय गरिमा के लिए समर्पित कर दिया था। महात्मा फुले ने अपने समय में व्याप्त जातिगत भेदभाव, छुआछूत, अशिक्षा और लैंगिक असमानता जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई ऐसे दौर में, जब इन गहरी जड़ों वाली कुरीतियों को चुनौती देने के लिए भी बहुत साहस की आवश्यकता होती थी। सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर, उन्होंने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए एक स्कूल की स्थापना की, जो समाज के वंचित वर्गों तक शिक्षा पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक प्रयास था। महात्मा ज्योतिबा फुले का मानना था कि शिक्षा वह प्रकाश है जो अज्ञानता, अन्याय और सामाजिक असमानता के अंधेरे को दूर कर सकती है। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ज्योतिराव फुले ने अपना जीवन समानता, शिक्षा और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित कर दिया। समाज से भेदभाव मिटाने और महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों ने भारतीय समाज में एक नई चेतना जगाई। उनके विचार और समाज सुधार के प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि महात्मा फुले का दृढ़ विश्वास था कि समाज में बदलाव और प्रगति लाने के लिए शिक्षा सबसे सशक्त माध्यम है। लड़कियों के लिए स्कूल खोलकर उन्होंने महिला शिक्षा की मजबूत नींव रखी, और 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना करके उन्होंने सद्भाव और समानता का मार्ग दिखाया। उनका जीवन और उनके विचार हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा के निरंतर स्रोत बने हुए हैं। संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि शिक्षा के प्रसार, महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए समर्पित महात्मा फुले का जीवन और उनके विचार,सभी को सामाजिक बुराइयों और भेदभाव के खिलाफ लड़ने तथा समानता, शिक्षा एवं सद्भाव के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महिलाओं की गरिमा, शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए समर्पित महात्मा फुले का जीवन, देश के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

काशी तमिल संगमम के 5वें संस्करण का उद्घाटन आज, उपराष्ट्रपति पहुंचे वाराणसी, सीएम योगी ने किया स्वागत



वाराणसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शनिवार को अपने दौरे पर वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महापौर अशोक तिवारी, जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनका काफिला शहर के लिए रवाना हुआ। उपराष्ट्रपति नमोघाट पर काशी तमिल संगमम के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री भी मौजूद रहेंगे। काशी तमिल संगमम का पांचवां संस्करण आगामी 12 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस बार कार्यक्रम की थीम तमिल के महान प्राचीन ग्रंथ 'तिरुक्कुरल' की शिक्षाओं पर आधारित है। आयोजन के तहत तमिलनाडु से सात समूहों में कुल 1,750 प्रतिनिधि वाराणसी पहुंचेंगे। तमिलनाडु से 200 प्रतिनिधियों का पहला समूह शुक्रवार रात विशेष ट्रेन से वाराणसी पहुंच चुका है। आगामी दिनों में बाकी प्रतिनिधियों के भी अलग-अलग समूहों में पहुंचने का कार्यक्रम है। इस बार संगमम के माध्यम से तिरुक्कुरल की शिक्षाओं को विद्यार्थियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके लिए तमिलनाडु से हिंदी जानने वाले 50 शिक्षक उत्तर प्रदेश आएंगे। ये शिक्षक वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या के विद्यार्थियों को इस प्राचीन तमिल ग्रंथ की शिक्षाओं से परिचित कराएंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कला संकाय के भारतीय भाषा विभाग के डॉ. जगदीशन इस कार्यक्रम के संचालन में सहयोग करेंगे। इसके अलावा देशभर के करीब एक हजार शैक्षणिक संस्थानों के एक-एक विद्यार्थी अपनी-अपनी भाषा में तिरुक्कुरल का अध्ययन करेंगे और इसकी शिक्षाओं को अपने-अपने संस्थानों तक पहुंचाएंगे। काशी तमिल संगमम के आयोजन में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) और आईआईटी-बीएचयू प्रमुख शैक्षणिक साझेदार हैं। तमिलनाडु से आने वाले सात समूहों के लिए 29 नवंबर से 11 दिसंबर तक बीएचयू परिसर में विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

बाल विवाह के खिलाफ लातेहार में बुलंद हुई आवाज, अधिकारियों और कर्मियों ने ली शपथ

बाल विवाह मुक्त जिला बनाने का संकल्प, पीड़िताओं को किया गया सम्मानित, कानून और सजा के प्रावधानों की दी गई जानकारी



संजय कुमार यादव

लातेहार: बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए शुक्रवार को लातेहार में जागरूकता अभियान चलाया गया। बाल, कम उम्र एवं जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर लातेहार प्रखंड कार्यालय के सभागार में जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन के जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं, महिला पर्यवेक्षिकाओं और किशोरियों ने बाल विवाह मुक्त लातेहार बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त कर बाल विवाह मुक्त झारखंड के लक्ष्य को हासिल करना था। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी ने कहा कि बाल विवाह केवल कानूनी अपराध नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा है। उन्होंने लोगों से अपने गांव और पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिस वैवाहिक आयोजन में बाल विवाह हो रहा हो, उसमें शामिल होने से बचें और ऐसी घटनाओं का खुलकर विरोध करें।

वहीं, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी ने बाल विवाह से संबंधित कानूनी प्रावधानों और दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजा की जानकारी दी। कार्यक्रम में वैदिक सोसाइटी की ओर से बाल विवाह की पीड़िता को आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने बच्चियों और किशोरियों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

मौके पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, वैदिक सोसाइटी के सचिव, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य, जिला बाल संरक्षण इकाई के कर्मी, महिला पर्यवेक्षिकाएं, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाएं तथा विभिन्न प्रखंडों से आई पीड़िताएं एवं किशोरियां उपस्थित थीं।

बाल विवाह के खिलाफ निकला कैंडल मार्च, उपायुक्त ने दिलाई शपथ

उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा- बाल विवाह के उन्मूलन में समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी

लातेहार: अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लातेहार में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में समाहरणालय परिसर से कैंडल मार्च निकाला गया। उपायुक्त संदीप कुमार की उपस्थिति में निकला मार्च कचहरी तक पहुंचा। इस दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मियों को बाल विवाह मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई।



मौके पर उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है। इसका बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस कुप्रथा के पूर्ण उन्मूलन के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने लोगों से बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित वातावरण और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कैंडल मार्च के माध्यम से आम लोगों को बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ एकजुट होने तथा बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, मुख्यालय डीएसपी प्रदीप कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं उपस्थित थीं।

केरसई रोजगार मेले में 268 युवाओं ने कराया पंजीकरण, 65 को मिली नौकरी

12 कंपनियों ने लिया हिस्सा, चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

संवाददाता

सिमडेगा/केरसई: दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के तहत शुक्रवार को केरसई पंचायत भवन परिसर में प्रखंड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में केरसई, कुरडेग और बोलबा प्रखंड के युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 268 से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जबकि विभिन्न कंपनियों ने 65 अभ्यर्थियों का चयन किया। चयनित युवाओं के बीच अतिथियों ने नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी देवकांत सिंह सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ देवकांत सिंह ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। भारत सरकार की दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से ऐसे आयोजनों का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अपनी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर अपनाने की अपील की। साथ ही कहा कि रोजगार के उद्देश्य से राज्य से बाहर जाने वाले युवक-युवतियों को श्रम विभाग में अपना पंजीकरण अवश्य कराना चाहिए।

राज्य स्तर से पहुंचे कार्यक्रम प्रबंधक साईं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। जरूरत उन्हें सही दिशा, कौशल विकास और उपलब्ध अवसरों से जोड़ने की है। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप रोजगार चुनकर बेहतर भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले युवाओं और रोजगार उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के बीच महत्वपूर्ण सेतु का काम करते हैं।

जिला प्रबंधक (कौशल विकास) संजिता केरकेट्टा ने युवाओं को राज्य से बाहर रोजगार के लिए जाने से पहले श्रम विभाग में पंजीकरण कराने की सलाह दी। उन्होंने श्रम विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य से बाहर काम करने के दौरान दुर्घटना या अन्य समस्या होने पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है। इसलिए युवाओं को योजनाओं की जानकारी रखने के साथ आवश्यक पंजीकरण भी कराना चाहिए।

रोजगार मेले में कुल 12 कंपनियों ने भाग लिया। कंपनियों की ओर से लगाए गए स्टॉलों पर अभ्यर्थियों का पंजीकरण, करियर मार्गदर्शन, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया पूरी की गई। मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक संजिता केरकेट्टा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन केरसई के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक ने किया। मंच संचालन प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक राजेन केरकेट्टा ने किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला कार्यक्रम प्रबंधक शांति मार्डी का मार्गदर्शन और सहयोग महत्वपूर्ण रहा। वहीं प्रखंड स्तर पर राजेन केरकेट्टा, ऑगस्टीन कुजूर, मुकुट टुटी सहित जेएसएलपीएस के सभी कर्मियों और सहयोगियों की सराहनीय भूमिका रही। डीडीयू-जीकेवाई के तहत आयोजित इस रोजगार मेले को ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

दिल्ली में झारखंड की कला, संस्कृति और व्यंजनों ने बिखेरी छटा, उद्योग सचिव अरवा राजकमल की रही अहम भूमिका

विनय मिश्रा



झारखंड ने अपनी कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के माध्यम से देश की राजधानी दिल्ली में विशेष पहचान बनाई है। राज्य गठन की वर्षगांठ और राज्य सरकार के दूसरे वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली में आयोजित उद्योग मेले में झारखंड के उद्योग विभाग ने अपनी उपलब्धियों और विभागीय कार्यों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया।

मेले में झारखंड की कला-संस्कृति और हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुएं आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। इनकी लोगों ने खूब सराहना की। इसके साथ ही राज्य के पारंपरिक और प्रसिद्ध व्यंजनों ने भी मेले में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। झारखंड के व्यंजनों को देखने और उनका स्वाद लेने के लिए लोगों में खास उत्सुकता देखने को मिली।

इस आयोजन में झारखंड के उद्योग विभाग के सचिव अरवा राजकमल स्वयं उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में झारखंड ने अपनी गौरवशाली उपस्थिति दर्ज कराई। विभाग की ओर से राज्य की औद्योगिक संभावनाओं, उपलब्धियों और सांस्कृतिक पहचान को सामने रखने का प्रयास किया गया।

गौरतलब है कि उद्योग सचिव के रूप में अरवा राजकमल के पदभार ग्रहण करने के बाद विभाग की गतिविधियों और उपलब्धियों को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली के उद्योग मेले में झारखंड की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों की प्रभावशाली प्रस्तुति को राज्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

अन्वी एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट का गठन, मनु कुमार गुप्ता बने अध्यक्ष और रेखा कुमारी सचिव

शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में काम करेगी 11 सदस्यीय समिति, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेगी सहायता

चंदवा: शिक्षा, सामाजिक कल्याण और जरूरतमंद विद्यार्थियों के उत्थान के उद्देश्य से चंदवा में अन्वी एजुकेशन एंड वेलफेयर ट्रस्ट का गठन किया गया है। ट्रस्ट के संचालन एवं विभिन्न गतिविधियों के लिए 11 सदस्यीय समिति बनाई गई है। गठन के दौरान सर्वसम्मति से मनु कुमार गुप्ता को अध्यक्ष तथा रेखा कुमारी को सचिव नियुक्त किया गया।

नवगठित ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर कार्य करना, गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ना तथा समाज में शैक्षणिक जागरूकता, विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। संस्था के संचालन, विस्तार और सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए समिति का गठन किया गया है।



ये हैं 11 सदस्यीय समिति के सदस्य : समिति में मुकेश सिंह, संजय यादव, खुशी कुमारी, अमृत कौर, पूजा देवी, राहुल कुमार साहू, खुर्शीद आलम, राखी दास, मोनी देवी, मुबारक आलम और डॉ. राजा को शामिल किया गया है।

ट्रस्ट की ओर से गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सहायता, छात्रवृत्ति, डिजिटल शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, महिला शिक्षा, कौशल विकास और पुस्तकालय संचालन जैसी गतिविधियां संचालित करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा शिक्षा से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

संस्था का उद्देश्य आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई बाधित नहीं होने देना है। इसके लिए ग्रामीण और जरूरतमंद क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करने, युवाओं को मार्गदर्शन देने तथा महिलाओं को शिक्षा एवं कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में काम किया जाएगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष मनु कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा समाज और देश के विकास की सबसे मजबूत नींव है। संस्था का प्रयास रहेगा कि जरूरतमंद बच्चों और युवाओं को शिक्षा, मार्गदर्शन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे अपना भविष्य मजबूत बना सकें। उन्होंने सभी सदस्यों से एकजुट होकर शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ट्रस्ट शिक्षा, सामाजिक कल्याण और जनसेवा के क्षेत्र में नई पहल करेगा। संस्था का संकल्प समाज के हर वर्ग तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाकर शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करना है।

अभिषेक भारती की गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों को पुलिस ने बताया भ्रामक

सिमडेगा: पाकरटांड़ थाना कांड संख्या 25/2026 में गिरफ्तार अभिषेक भारती को लेकर सोशल मीडिया एवं अन्य संचार माध्यमों पर प्रसारित खबरों को जिला पुलिस ने भ्रामक और तथ्यहीन बताया है।

जिला जनसंपर्क कार्यालय, सिमडेगा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर अभिषेक भारती की गिरफ्तारी के दौरान कथित रूप से मारपीट किए जाने सहित अन्य आरोपों से संबंधित खबरें प्रसारित की जा रही हैं। ये खबरें निराधार हैं।

विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि अभियुक्त अभिषेक भारती की गिरफ्तारी के दौरान सभी आवश्यक कानूनी एवं विधिक प्रक्रियाओं का विधिवत अनुपालन किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से 26 नवंबर को सीधे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, अभियुक्त वर्तमान में मंडल कारा, सिमडेगा में न्यायिक अभिरक्षा में है। जिला जनसंपर्क कार्यालय की ओर से 27 नवंबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति संख्या 1051/2026 में यह जानकारी दी गई है।

ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने का मंच बनी क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता, 200 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

- स्व. लट्टू उरांव स्मृति जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता संपन्न, विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम
- ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मिलेगा बेहतर अवसर : सन्नी उरांव

संवाददाता

चक्रधरपुर: स्वर्गीय लट्टू उरांव की स्मृति में आयोजित पांचवीं पश्चिमी सिंहभूम जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता-2026 शनिवार को चक्रधरपुर के बनमालीपुर मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों से 200 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अलग-अलग आयु वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे जोश, उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर किया। संकेत मिलते ही विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ी निर्धारित मार्ग पर दौड़ पड़े। इस दौरान मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। ग्रामीण स्तर से निकलने वाले खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए चक्रधरपुर एथलेटिक्स संघ को धन्यवाद दिया। कहा कि इतने कम समय में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी उत्साहजनक है। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन किया जाएगा, ताकि क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच मिलता रहे।

विशिष्ट अतिथि पश्चिमी सिंहभूम जिला ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष सह चक्रधरपुर एथलेटिक्स संघ के संरक्षक गौरीशंकर महतो ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास सिखाता है। खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए।



कार्यक्रम में कोलचकड़ा पंचायत के मुखिया अरविंद तिग्गा, चक्रधरपुर थाना के सब-इंस्पेक्टर सुनील कुमार, पश्चिमी सिंहभूम जिला ओलंपिक संघ के महासचिव सह जिला एथलेटिक्स संघ के महासचिव अजय कुमार नायक, काश्मीर कांडेयांग, दीपक पासवान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रतियोगिता के विजेता

10 किलोमीटर पुरुष वर्ग
प्रथम : मुन्ना गोप (मंझारी)
द्वितीय : मांगू इचागुट्टू (खूंटपानी)
तृतीय : गणेश कालुंडिया (तांतनगर)

10 किलोमीटर महिला वर्ग
प्रथम : बा माइ तिरिया (मझगांव)
द्वितीय : सुनीता तिरिया (मझगांव)
तृतीय : दिलकी पारिया (सदर)

अंडर-20 बालक, 8 किलोमीटर
प्रथम : मांगीलाल गिलुवा (चक्रधरपुर)
द्वितीय : अमर सिंह पुर्ती (बंदगांव)
तृतीय : मोहन बानरा (चाईबासा)

अंडर-20 बालिका, 6 किलोमीटर
प्रथम : सानिया जामुदा (चक्रधरपुर)
द्वितीय : गुरुवार बोयपाई (चक्रधरपुर)
तृतीय : पिंकी देवगम (सदर)

अंडर-18 बालक, 6 किलोमीटर
प्रथम : बिंडराय पूर्ति (खूंटपानी)
द्वितीय : माका बोयपाई (टोंटो)
तृतीय : पेंशन सुंडी (सदर)

अंडर-18 बालिका, 4 किलोमीटर
प्रथम : पूजा महतो (मनोहरपुर)
द्वितीय : प्रतिका महतो (मनोहरपुर)
तृतीय : चांदनी हेंब्रोम (चक्रधरपुर)

अंडर-16 बालक, 2 किलोमीटर
प्रथम : सुजल मुंडरी (चक्रधरपुर)
द्वितीय : मनीष राउत (नोवामुंडी)
तृतीय : हरिचरण सुंडी (सदर)

अंडर-16 बालिका, 2 किलोमीटर
प्रथम : कृतिका बोयपाई (नोवामुंडी)
द्वितीय : संध्या महतो (मनोहरपुर)
तृतीय : संकुतला गिलुवा (बंदगांव)

प्रतियोगिता के सफल संचालन में तकनीकी पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनमें अर्जुन महाकुड़, संजीव कुमार बाहान्दा, पीयुष गोप, प्रीतम तैसुम, नरेंद्र बारी, संगीता पाट पिंगुवा, त्रिपुरा प्रधान, तुरी कांडेयांग, पूनम पिंगुवा, पवन गोप, श्रवनदीप प्रधान, मुकुंद बानरा, जमुना सोय, मनीष माइकल जामुदा, हेमंत कुमार सामड, लखिन्द्र पाल, दशरथ महतो, संतोष एवं रामानंद नायक शामिल थे।

आयोजकों ने प्रतियोगिता की सफलता के लिए सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, तकनीकी पदाधिकारियों, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण और उभरते खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा उन्हें जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है।